सत्यमेव जयते
जम्मू व कश्मीर सरकार

विकसित भारत
विकसित जम्मू व कश्मीर

माननीय प्रधान मंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी
द्वारा

सोनमर्ग, गांदरबल, 13 जनवरी 2025, सुबह 10:00 बजे

6.4 किमी सोनमर्ग सुरंग
का उद्घाटन

₹2700 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित

- श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच पूरे वर्ष बाधारहित पहुंच से स्थानीय व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा
- होटल, ट्रांसपोर्टर और रेस्तरां जैसे स्थानीय व्यवसायों हेतु विकास के अवसर पैदा होंगे
- केसर, सेब, अखरोट, चेरी, केहवा आदि जैसे स्थानीय कृषि उत्पादों के लिए बड़े बाजारों तक बेहतर पहुँच
- इसमें एक निकास सुरंग, वेंटिलेशन सुरंग, 6 किमी की अप्रोच रोड और भारी वाहन यातायात हेतु समर्पित 4 किमी की क्रीपर लेन शामिल है
- सामरिक रूप से महत्वपूर्ण परियोजना पूरे वर्ष सीमावर्ती क्षेत्रों को सभी मौसमों में पहुंच प्रदान करेगी

DIP/J-9137/24
Dtd: 12-1-2025

डीडी न्यूज पर सीधा प्रसारण

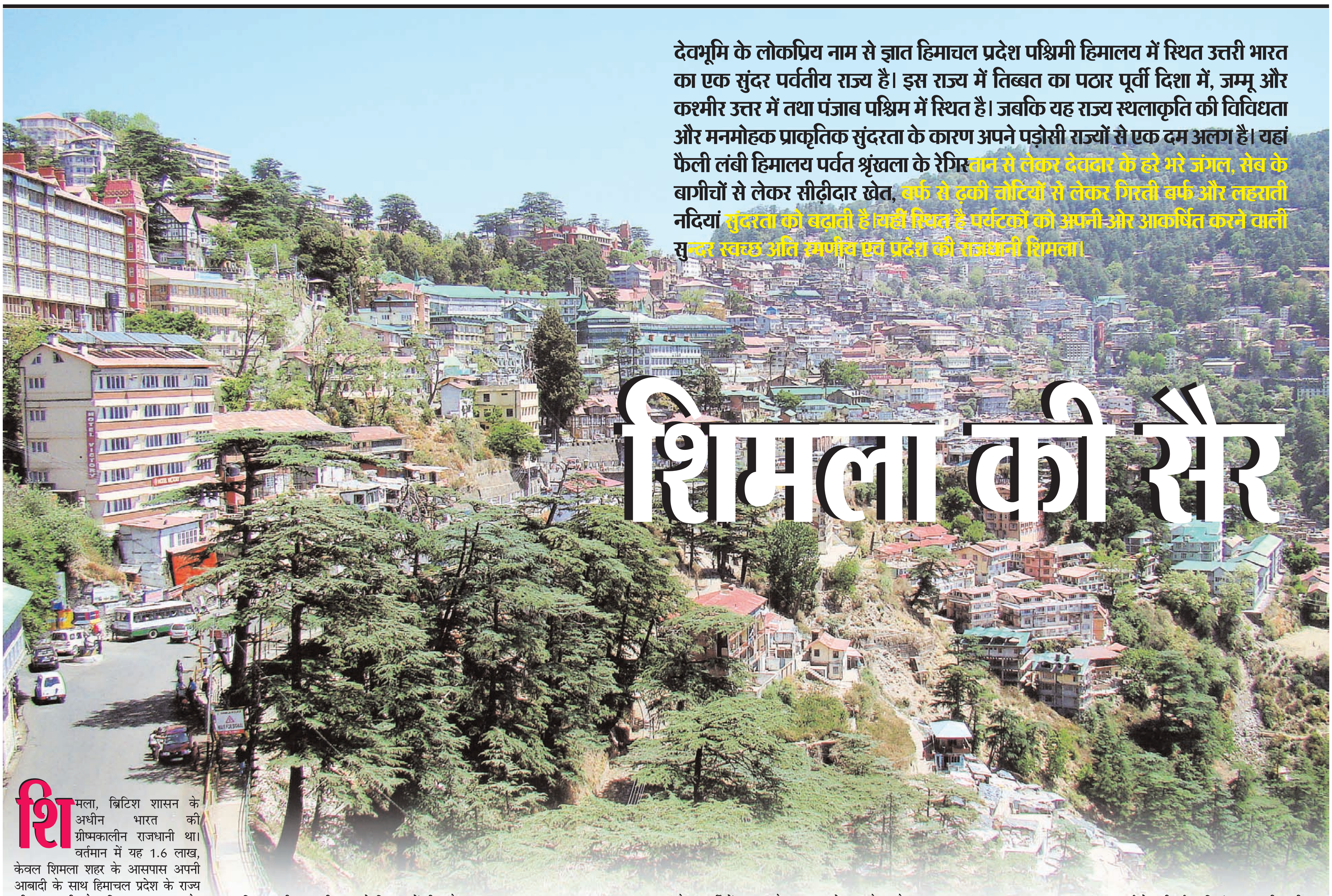

देवभूमि के लोकप्रिय नाम से ज्ञात हिमाचल प्रदेश पश्चिमी हिमालय में स्थित उत्तरी भारत का एक सुंदर पर्वतीय राज्य है। इस राज्य में तिब्बत का पठार पूर्वी दिशा में, जम्मू और कश्मीर उत्तर में तथा पंजाब पश्चिम में स्थित है। जबकि यह राज्य स्थलाकृति की विविधता और मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता के कारण अपने पड़ोसी राज्यों से एक दम अलग है। यहां फैली लंबी हिमालय पर्वत श्रृंखला के रेगिस्तान से लेकर देवदार के हरे भरे जंगल, सेब के बागीचों से लेकर सीढ़ीदार खेत, बर्फ से ढ़की चोटियों से लेकर गिरती बर्फ और लहराती नदियां सुंदरता को बढ़ाती है।यहीं स्थित है पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करने वाली सुन्दर स्वच्छ अति रमणीय एवं प्रदेश की राजधानी शिमला।

शिमला की सैर

शिमला, ब्रिटिश शासन के अधीन भारत की ग्रीष्मकालीन राजधानी था। वर्तमान में यह 1.6 लाख, केवल शिमला शहर के आसपास अपनी आबादी के साथ हिमाचल प्रदेश के राज्य की राजधानी है। शिमला भारत और पाकिस्तान के बीच प्रसिद्ध शिमला संधि जो यहाँ हस्ताक्षर किए गए थे के रूप में कई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाओं को देखा है। जगह भी अपनी प्राकृतिक सुंदरता, वास्तुशिल्प इमारतों, लकड़ी के शिल्प और सेब के लिए प्रसिद्ध है।

हिमाचल प्रदेश की राजधानी और ब्रिटिश कालीन समय में ग्रीष्म कालीन राजधानी शिमला राज्य का सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन केन्द्र है। यहां का नाम देवी श्यामला के नाम पर रखा गया है जो काली का अवतार है। शिमला लगभग 7267 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और यह अर्ध चक्र आकार में बसा हुआ है, जहां पूरे वर्ष ठण्डी हवाएं बहने का वरदान है। यहां घाटी का सुंदर दृश्य दिखाई देता है और महान हिमालय पर्वती की चोटियां चारों ओर दिखाई देती है। इसके उत्तर में बर्फ मानों क्षितिज तक जमी हुई है। यहां ठण्डी हवाएं बहती है और ओक तथा रोडोडेंड्रॉन के वनों से गुजरती हैं। शिमला का सुखद मौसम, आसानी से पहुंच और ढेरों आकर्षण इसे उत्तर भारत का एक सर्वाधिक लोकप्रिय पर्वतीय स्थान बना देते हैं। शिमला की खूबसूरती विदेशी सैलानियों को भी अपनी ओर आकर्षित करने के लिए कई आकर्षक खूबियां अपने आगोश में समेटे हुए है। वैसे तो शिमला जाने के लिए ट्रेन, हिमाचल प्रदेश की बसें, हवाई जहाज तथा अपने निजी वाहनों से भी वहां तक पहुंचा जा सकता है। कालका - शिमला के बीच चलने वाली ट्रेन भी आकर्षक और सुन्दर है जो यात्रियों को शिमला पहुंचने में काफी आरामदायक साधन है।

शिमला की बात की जाए तो शिमला में ही घूमने के लिए कई जगह हैं। शिमला की माल रोड का नजारा सर्दियों में अनोखा ही है। यहां पर्यटकों को इस रोड पर काफी आनंद मिलता है। इस रोड पर खाने-पीने की चीजों के अलावा पहनने के लिए कपड़े, घुड़सवारी और फोटो सेशन के लिए कई सुन्दर जगह हैं। मालरोड पर स्थित चर्च देखने लायक है जो सदियों पुराना है। शिमला के आसपास भी घूमने लायक कई सुन्दर और रमणीक स्थल हैं जिन्हें बस देखते ही बनता है। इनमें चम्बा घाटी, डलहौजी पर्वतीय स्थान जो दुनिया की कई नई पुरानी चीजों से भरा पड़ा है। यहां राजशाही युग की भव्यता चारों ओर दिखाई देती है जो कई किलो मीटर क्षेत्र में फैला हुआ है।

चम्बा घाटी

915 मीटर की ऊंचाई पर रवि नदी के दाएं किनारे पर स्थित है चम्बा घाटी। पुराने समय में राजशाही का राज्य होने के नाते यह लगभग एक शताब्दी पुराना राज्य है और 6वीं शताब्दी से इसका इतिहास मिलता है। यह अपनी भव्य वास्तुकला और अनेक रोमांचक यात्राओं के लिए एक आधार के तौर पर विख्यात है। ठण्ड के मौसम में ठण्डी हवाओं के कारण यहां का तापमान बहुत कम हो जाता है और इसलिए यहां भारी ऊनी कपड़ों की जरूरत नहीं है। यहां का मौसम गर्मी में अच्छा और खुशनुमा हो जाता है।

डलहौजी

पश्चिमी हिमाचल प्रदेश में डलहौजी नामक यह पर्वतीय स्थान पुरानी दुनिया की चीजों से भरा पड़ा है और यहां राजशाही युग की भाव्यता बिखरी पड़ी है। यह लगभग 14 वर्ग किलो मीटर फैला है और यहां काठ लोग, पात्रे, तेहरा, बकरोटा और बलूम नामक 5 पहाड़ियां हैं। इसे 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश गवर्नर जनरल, लॉड डलहौजी के नाम पर बनाया गया था। इस कस्बे की ऊंचाई लगभग 525 मीटर से 2378 मीटर तक है और इसके आस पास विविध प्रकार की वनस्पति पाइन, देवदार, ओक और फूलों से भरे हुए रोडो डेंड्रॉन पाए जाते हैं। डलहौज़ी में मनमोहक उपनिवेश युगीन वास्तुकला है जिसमें कुछ सुंदर गिरजाघर शामिल हैं। यह मैदानों के मनोरम दृश्यों को प्रस्तुत करने के साथ एक लंबी रजत रेखा के समान दिखाई देने वाले रावी नदी के साथ एक अद्भुत दृश्य प्रदर्शित करता है जो घूम कर डलहौजी के नीचे जाती है। बर्फ से ढका हुआ धोलाधार पर्वत भी इस कस्बे से साफदिखाई देता है।

कुफरी

अनंत दूरी तक चलता आकाश, बर्फसे ढकी चोटियां, गहरी घाटियां और मीठे पानी के झरने, कुफरी में यह सब है और इसके अलावा भी बहुत कुछ। यह पर्वतीय स्थान शिमला के पास समुद्री तल से 2510 मीटर की ऊंचाई पर हिमाचल प्रदेश के दक्षिणी भाग में स्थित है। यह आपको रोमांच और साहस की जादू भरी दुनिया में ले जाता है। कुफरी में ठण्ड के मौसम में अनेक खेलों का आयोजन किया जाता है जैसे स्काइंग और टोबोगेनिंग के साथ चढ़ाईयों पर चढ़ना। ठण्ड के मौसम में हर वर्ष खेल कार्निवाल आयोजित किए जाते हैं और यह उन पर्यटकों के लिए एक बड़ा आकर्षण है जो केवल इन्हें देखने के लिए यहां आते हैं। यह स्थान ट्रेकिंग और पहाड़ी पर चढ़ने के लिए भी जाना जाता है जो रोमांचकारी खेल प्रेमियों का आदर्श स्थान है।

मनाली

कुल्लू से उत्तर दिशा में केवल 40 किलो मीटर की दूरी पर लेह की ओर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर घाटी के सिरे के पास मनाली स्थित है। यहां का परिदृश्य आपकी सांसें रोक लेता है। सबसे पहले आपको बर्फसे ढकी हुई पहाडियां, साफ पानी वाली व्यास नदी दिखाई देती है। दूसरी ओर देवदार और पाइन के पेड़, छोटे छोटे खेत और फलों के बागान दिखाई देते हैं। यह छुट्टियां बिताने के लिए आदर्श स्थान है और लाहुल, स्पीति, बारा भंगल, कांगड़ा और जनस्कर पर्वत श्रृंखला पर चढ़ाई करने वालों के लिए यह एक मनपसंद स्थान है। मंदिरों से अनोखी चीजों तक यहां से मनोरम दृश्य और रोमांचकारी गतिविधियां मनाली को हर मौसम और सभी प्रकार के यात्रियों के बीच लोकप्रिय बनाती हैं।

कुल्लू

कुल्लू घाटी को पहले कुलंथपीठ कहा जाता था। कुलंथपीठ का शाब्दिक अर्थ है रहने योग्य दुनिया का अंत। कुल्लू घाटी भारत में देवताओं की घाटी रही है। कुल्लू गर्मी के मौसम में लोगों का एक मनपसंद गंतव्य है। मैदानों में तपती धूप से बच कर लोग हिमाचल प्रदेश की कुल्लू घाटी में शरण लेते हैं। यहां के मंदिर, सेब के बागान और दशहरा हजारों पर्यटकों को कुल्लू की ओर आकर्षित करते हैं। यहां के स्थानीय हस्तशिल्प कुल्लू की सबसे बड़ी विशेषता है। कुल्लू में सुंदर पहाड़ियों और व्यास नदी के आस पास बनी हिल रिजॉर्ट में अवश्य जाएं।

चैल

हिमालय की तराई में स्थित सबसे छोटे पर्वतीय स्थानों में से एक चैल, प्रकृति प्रेमियों और पक्षियों को देखने के शौकीन व्यक्तियों के लिए एक आदर्श स्थान है। समुद्र तल से 2240 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मनोरम हरा भरा पर्वतीय स्थान शिमला के दक्षिण पूर्व में 43 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यह हिमाचल प्रदेश की राजधानी है। चैल घने पाइप और देवदार के जंगलों के बीच पृष्ठभूमि में बर्फ से ढकी हुई शिवालिक पहाड़ियों के साथ खड़ा हुआ है। यहां 3 पहाड़ियों, राजगढ़ पहाड़ी के ऊपरी भाग में चैल का महल है, गांव में ही साध तिबा पहाड़ी और पंधेवा पहाड़ी स्नो व्यू मेंशन है। शिमला और कसौली हिमाचल प्रदेश के दो प्रमख पर्वतीय

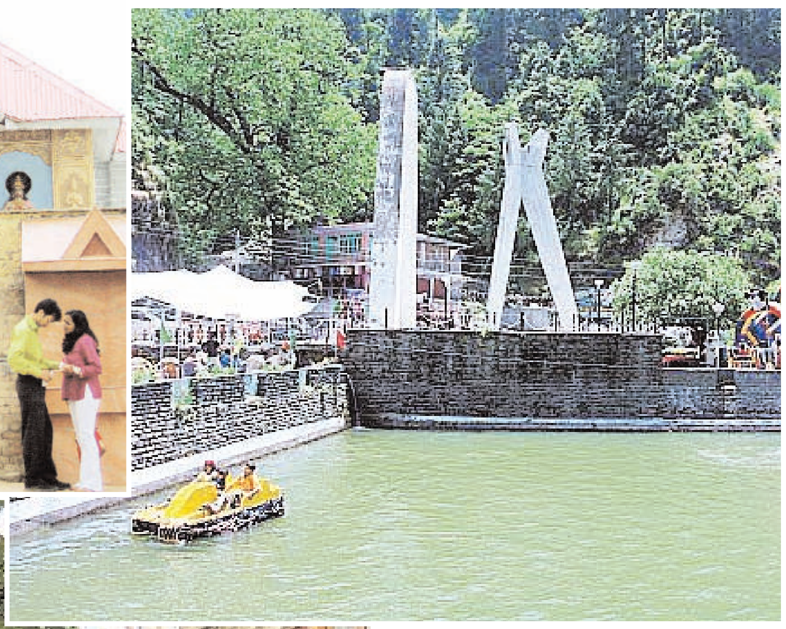

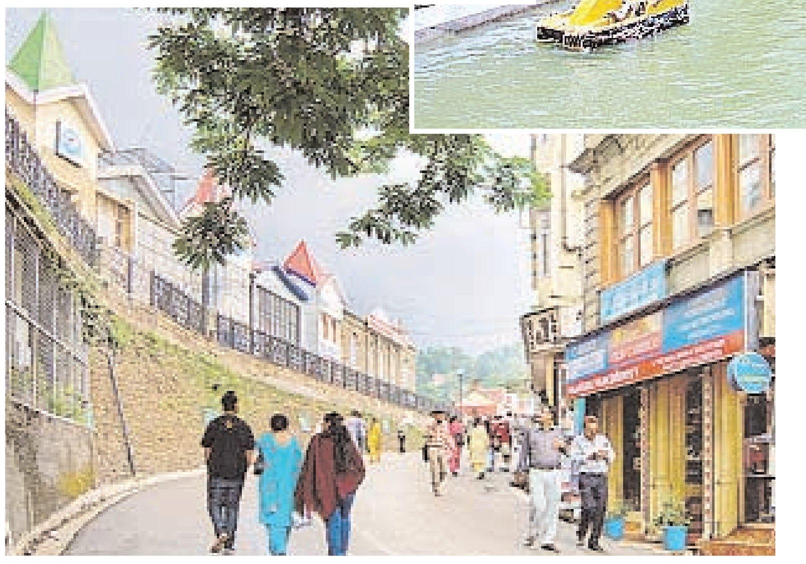

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

epaper.dehatsandesh.com

5 महिला हाकी इंडिया लीग आईपीएल जैसा ही प्रभाव डालेगी: रानी रामपाल

6 भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष थोड़ी कमजोर पड़ेगी: आईएमएफ प्रमुख

8 सस्टेनेबल एग्रीकल्चर की संकल्पना है गौ कृषि

मौसम जम्मू — न्यूनतम 6 — अधिकतम 17

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-12 | जम्मू तवी, सोमवार 13 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

युवा जोखिम लें और देश में ऐतिहासिक परिवर्तन लाएं : मोदी

नयी दिल्ली 12 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत के बड़े लक्ष्यों को हासिल करना देश के हर नागरिक का कर्तव्य बताते हुए देश के युवाओं का आह्वान किया है कि वे आराम वाली जिन्दगी से बाहर निकल कर जोखिम लें और खुद के साथ देश को भी सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाकर कर इतिहास के सबसे बड़े परिवर्तन के उत्प्रेरक एवं लाभार्थी बनें। श्री मोदी ने राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को यहां भारत मंडपम में विकसित भारत युवा नेता संवाद 2025 को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। उन्होंने देश भर से आये तीन हज़ार प्रतिभावान युवाओं से संवाद करते हुए उनको अर्थव्यवस्था के बढ़ने के साथ ही पैदा होने वाले कई अवसरों के बारे में प्रोत्साहित किया और कहा कि उनकी पीढ़ी न केवल देश के इतिहास में सबसे बड़ा परिवर्तन लाएगी, बल्कि वे इसके सबसे बड़े लाभार्थी भी होंगे। प्रधानमंत्री ने युवाओं को सलाह दी कि वे कम्फर्ट जोन से बचें, जोखिम उठाएं और अपने कम्फर्ट

जोन से बाहर निकलें, जैसा कि यंग लीडर्स डायलॉग के प्रतिभागियों ने प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि जीवन का यह मंत्र उन्हें सफलता की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में भारत के युवाओं की जीवंत ऊर्जा पर प्रकाश डाला और कहा कि पूरा देश स्वामी विवेकानंद को याद कर रहा है और उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है, जिन्हें देश के युवाओं पर बहुत भरोसा था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद का मानना था कि उनके शिष्य युवा पीढ़ी से आएंगे, जो शेरों की तरह हर समस्या का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि उन्हें स्वामी जी और उनकी मान्यताओं पर पूरा भरोसा है, जैसे स्वामी जी को युवाओं पर भरोसा था। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें स्वामी जी पर पूरा भरोसा है, खासकर युवाओं के बारे में उनके दृष्टिकोण पर। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि यदि स्वामी विवेकानंद आज हमारे बीच होते, तो 21वीं सदी के युवाओं की जागृत शक्ति और सक्रिय प्रयासों को देखकर उनमें नया आत्मविश्वास भर जाता। भारत मंडपम में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के आयोजन को याद करते हुए श्री मोदी ने कहा कि डेढ़ वर्ष पहले जहां विश्व के नेता दुनिया के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक ही स्थान पर थे, जबकि आज वहीं पर भारत के युवा भारत के अगले 25 वर्षों के लिए रोडमैप तैयार कर रहे हैं। कुछ महीने पहले अपने आवास पर युवा एथलीटों से मिलने के बारे में एक किस्सा साझा करते हुए, उन्होंने बताया कि एक एथलीट ने कहा था, दुनिया के लिए, आप प्रधानमंत्री हो सकते हैं, लेकिन हमारे लिए, आप परम मित्र हैं। प्रधानमंत्री ने भारत के युवाओं के साथ अपनी दोस्ती के बंधन पर जोर देते हुए कहा कि दोस्ती की सबसे मजबूत कड़ी विश्वास है। उन्होंने युवाओं पर अपना असीम विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के युवाओं की क्षमता जल्द ही भारत को एक विकसित राष्ट्र बना देगी। उन्होंने स्वीकार किया कि लक्ष्य महत्वपूर्ण होने के बावजूद असंभव नहीं है, उन्होंने विरोधियों के विचारों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रगति के पहिये को चलाने वाले लाखों युवाओं के सामूहिक प्रयासों से राष्ट्र निस्संदेह अपने लक्ष्य तक पहुँच जाएगा।

पुलिस ने 5 ड्रग तस्करों को किया गिरफ्तार

बारामुला, 12 जनवरी । समाज से नशीली दवाओं के खतरे को खत्म करने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए पुलिस ने बारामूला में पांच ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए हैं।

थाना चंदूसा के पुलिस दल ने थाना चंदूसा में स्थापित एक चेकपॉइंट पर एसएचओ पीएस चंदूसा के नेतृत्व में एक व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 56 ग्राम प्रतिबंधित चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। बाद में उसकी पहचान डुडबुघ निवासी स्वर्गीय जीएच मोहम्मद के पुत्र मोहम्मद शाबान मरय के रूप में हुई। बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

इसी प्रकार, लिम्बर बोनियार में स्थापित एक चेकपॉइंट पर एसएचओ पीएस बोनियार के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन बोनियार की एक पुलिस पार्टी ने दो

व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 88 ग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। उनकी पहचान मेहराज अहमद नजर पुत्र स्वर्गीय फतेह नजर निवासी लिंबर और शब्बीर अहमद बकरवाल पुत्र वजीर मोहम्मद निवासी बाबागैल लिंबर के रूप में हुई। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

उपरोक्त के अलावा, बाबारेशी क्रॉसिंग पर स्थापित एक चेकपॉइंट पर आईसी पीपी बाबरेशी के नेतृत्व में पुलिस पोस्ट बाबारेशी की एक पुलिस पार्टी ने दो व्यक्तियों को रोका। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 85 ग्राम चरस जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। उनकी पहचान इशफाक अहमद मगरे और दाऊद अहमद मगरे के पुत्रों घ रसूल मगरे के रूप में की गई, दोनों डुडबुघ के निवासी थे। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

इस संबंध में पुलिस स्टेशन चंदूसा, बोनियार और तंगमर्ग में कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं और जांच शुरू की गई है

राजौरी के बधाल गांव में छह बच्चे बीमार, एक बच्ची की जम्मू अस्पताल में मौत

राजौरी, 12 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बधाल गांव में रहस्यमय परिस्थितियों में कम से कम छह बच्चे बीमार पड़ गए।

हालाँकि, उनमें से तीन को सरकारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल जम्मू में स्थानांतरित कर दिया गया जहाँ एक लड़की की मौत हो गई।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यहां बताया कि बद्दल गांव में एक ही परिवार के छह बच्चे बीमार पड़ गए और उन्हें सरकारी मेडिकल कॉलेज राजौरी में स्थानांतरित कर दिया गया।

उन्होंने आगे कहा कि छह में से तीन को जीएमसी जम्मू रेफर किया गया जहां एक लड़की की मौत हो गई और दो का इलाज चल रहा है।

जम्मू जीएमसी अधिकारियों ने मौत की पुष्टि करते हुए कहा कि अभी तक कारण का पता नहीं लगाया जा सका है जबकि दो अन्य बच्चों की निगरानी की जा रही है।

गौरतलब है कि 8 दिसंबर को राजौरी जिले के बधाल गांव में संदिग्ध खाद्य विषाक्तता से तीन बच्चों सहित एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई थी।

इस बीच विशेषज्ञों की टीमों द्वारा नमूने एकत्र करने के कुछ दिनों बाद जहां एक रहस्यमय बीमारी ने दहशत फैला दी है। इस बीच एक की मौत हो गई है जिससे बीमारी के कारण होने वाली मौतों की कुल संख्या नौ हो गई है।

आधिकारिक प्रवक्ता के अनुसार डीआइजी राजौरी-पुंछ तेजिंदर सिंह, उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गौरव सिकरवार ने मौजूदा जमीनी स्थिति का आकलन करने और समुदाय को तत्काल सहायता सुनिश्चित करने के लिए बधाल का दौरा किया। राहत उपायों के हिस्से के रूप में डीसी राजौरी ने निवासियों को आवश्यक चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए एम्बुलेंस, स्वास्थ्य टीमों और आशा कार्यकर्ताओं को तैनात किया। इसके अलावा आम जनता के साथ निर्बाध समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करने के लिए अन्य विभागों को सक्रिय किया गया है। बीमार रोगियों से नमूने एकत्र किए गए हैं और बीमारी का कारण निर्धारित करने के लिए जांच शुरू कर दी गई है

मकर संक्रांति को लेकर जम्मूवासियों में उत्साह

जम्मू, 12 जनवरी। मकर संक्रांति को लेकर जम्मूवासियों में उत्साह देखा जा रहा है। जब सूर्य देव मकर राशि में आते है तभी इस पर्व को मनाया जाता है। इस विषय में श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने बताया मकर संक्रांति हिन्दुओं का प्रमुख पर्व है मकर संक्रांति के दिन सूर्य देव धनु राशि को छोड़ मकर राशि में प्रवेश करते है इसी वजह से इस संक्रांति को मकर संक्रांति कहते हैं। इस वर्ष सन् 2025 ई. मकर सक्रांति का पर्व 14 जनवरी मंगलवार को मनाया जाएगा।मंगलवार 14 जनवरी को सुबह के 08 बजकर 55 मिनट पर सूर्य देव मकर राशि में प्रवेश करेंगे। मकर संक्रांति का पुण्य काल सूर्य उदय से लेकर मध्याह्न बाद तक रहेगा। इस दिन प्रथम शाही सन्नान कुंभ प्रगराज में होगा।

श्रीनगर में ड्रग तस्करों से जुड़े 100 से अधिक बैंक खाते जब्त

श्रीनगर, 12 जनवरी। मादक पदार्थों की तस्करी पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए श्रीनगर पुलिस ने कई मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में अपनी गहन वित्तीय जांच के तहत मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़े 100 से अधिक बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। पुलिस प्रवक्ता ने जारी एक बयान में कहा कि श्रीनगर पुलिस ने कई मादक पदार्थों की तस्करी के मामलों में वित्तीय जांच तेज कर दी है जिसके कारण मादक पदार्थों के तस्करों से जुड़े 100 से अधिक बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं। इन खातों में सामूहिक रूप से कई लाख रुपये की जमा राशि होती है। इसमें लिखा है कि अवैध धन के प्रवाह का पता लगाने के लिए इन खातों से जुड़े सभी लेनदेन की विस्तृत जांच की जा रही है। इन खातों को फ्रीज करने से मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क द्वारा उपयोग किए जाने वाले वित्तीय संसाधनों तक पहुंच प्रभावी रूप से अवरुद्ध हो गई है। इन खातों को रखने वाले व्यक्तियों को श्रीनगर जिले में नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। पकड़े गए लोग नशीले पदार्थों और मनोदैहिक पदार्थों की तस्करी में शामिल थे जो समुदाय, विशेषकर युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते थे। एनडीपीएस अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत की गई व्यापक जांच के कारण इन बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया है जिनमें पर्याप्त रकम थी, प्रथम दृष्टया अवैध मादक पदार्थों के व्यापार से प्राप्त आय के रूप में पहचानी गई।

संदिग्धों को पकड़ने के लिए दूसरे दिन भी तलाशी अभियान

जम्मू, 12 जनवरी। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास रविवार को दूसरे दिन भी संदिग्धों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी रहा। इसमें ड्रोन और अन्य नवीनतम उपकरण की मदद ली जा रही है। ग्रामीणों के जोगीवान वन क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों के देखे जाने की सूचना मिलने के बाद शनिवार को भट्टल क्षेत्र में सेना की विभिन्न इकाइयों ने ऑपरेशन शुरू किया था। उन्हें संदेह है कि यह घुसपैठ करने वाले संदिग्ध आतंकवादी हैं। सैन्य अधिकारियों ने कहा कि अधिक क्षेत्र को कवर करने के लिए अधिक सैनिकों को तैनात कर तलाशी अभियान जारी है।

समग्र विकास सरकार की प्राथमिकता : उपमुख्यमंत्री

जम्मू 12 जनवरी। सरकार की जन-केंद्रित नीति पर जोर देते हुए उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने कहा कि समग्र विकास के साथ-साथ सामाजिक-आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार लाना वर्तमान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उपमुख्यमंत्री यह बात आर.एस.पुरा में जाट सभा द्वारा आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुए कही।

इस अवसर पर जम्मू पूर्व के विधायक विक्रम रंधावा, पूर्व मंत्री मंजीत सिंह, चौधरी सुखनंदन, गारू राम, डीडीसी सदस्य, जाट सभा के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे।

जन-केंद्रित पहलों का जिक्र करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि हम बिना किसी पक्षपात के समान आधार पर विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पहले ही निर्देश दिए जा चुके हैं। इन पर काम की गति बढ़ाने के लिए नियमित निगरानी भी की जा रही है।

इस अवसर पर बोलते हुए जाट सभा के सदस्यों ने अपने समुदाय को प्रतिनिधित्व देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। बाद में उपमुख्यमंत्री ने लोहड़ी समारोह के सिलसिले में जाट सभा द्वारा आयोजित एक समारोह में भी भाग लिया। वहां लोगों से बातचीत करते हुए उन्होंने उम्मीद जताई कि लोहड़ी जम्मू-कश्मीर में शांति और समृद्धि लाएगी।

एकता विहार में पानी की पाइप डालने को लेकर हंगामा, लोगों ने रुकवाया काम

जम्मू, 12 जनवरी। नगर निगम जम्मू के वार्ड नंबर 56, गंग्याल के मोहल्ला एकता विहार में रविवार को पानी की पाइप डालने को लेकर स्थानीय लोगों ने हंगामा किया। लोगों का आरोप था कि पानी की जो पाइप डाली जा रही है, वह गली से गुजरने वाली मेन पाइप से जोड़ी जा रही है, जिससे आगे लोगों के घरों में पानी की दिक्कत पैदा हो सकती है। उनका कहना था कि पहले सभी को प्रॉपर पानी दिया जाए, फिर इस पाइप को जोड़ा जाए।

स्थानीय लोगों ने जम्मू नगर निगम के पूर्व चेयरमैन और पूर्व पार्षद सतीश शर्मा को भी मौके पर बुलाया और समस्या से अवगत करवाया। सतीश शर्मा ने फोन पर विभाग के अधिकारी से बात की और उनसे कहा कि ऐसा समाधान निकाला जाए, जिससे हर किसी को उनके घर तक पीने का पानी सही तरीके से पहुंच सके। उन्होंने कहा कि पानी के फ्लो को पूरी तरह से जांचा जाए और उसके बाद ही पाइप को जोड़ा जाए, ताकि आने वाली गर्मियों में लोगों को पानी की समस्या न हो। दरअसल, एकता विहार की एक गली में नई पानी की पाइप डाली जा रही थी, जिसे लेकर लोगों ने आपत्ति जताई। लोगों का कहना था कि पीछे से ढाई इंच की पाइप आ रही है और उसके साथ नई 2 इंच की पाइप को जोड़ा जा रहा है। इससे पानी का फ्लो कम हो जाएगा और आगे के घरों में पानी नहीं पहुंच पाएगा।

सतीश शर्मा ने कहा कि एकता विहार का कुछ हिस्सा ऊंचाई पर है और कुछ ढलान पर है, जिसके चलते पानी की समस्या बनी रहती है। अगर पानी का सही तरीके से डिस्ट्रीब्यूशन नहीं किया गया, तो आगामी गर्मियों में विकराल समस्या पैदा हो सकती है। बताया गया कि शाम को पीएचई विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को आश्वस्त किया कि किसी भी घर को पानी की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही, अगर कोई दिक्कत आती है, तो उसका समाधान निकाला जाएगा। इस मौके पर सरदार सुमनप्रीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, जेपी सिंह, सोनू, मोंटी समेत एकता विहार के कई गणमान्य लोग मौजूद थे।

विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है भारत : जगदीप धनखड़

गुरुग्राम, 12 जनवरी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि युवा इच्छा शक्ति के आधार पर सपनों को साकार करने में अवश्य सफल हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने पिछले 10 वर्षों में विकास का स्वाद चखा है। अब उनकी उन्नति की उम्मीदें और बढ़ गई है। हमारा भारत बदल रहा है। यह इतना बदल चुका है कि हम जैसे लोग कभी कल्पना भी नहीं कर सकते थे।

उपराष्ट्रपति रविवार को गुरुग्राम के साइबर पार्क स्थित प्रबंधन शिक्षण संस्थान मास्टर्स यूनियन के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। यहां उन्होंने छात्रों का डिग्रियां वितरित की। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज भारत दुनिया के लिए एक उदाहरण बन चुका है। पिछले दशक में दुनिया में कोई भी देश इतनी तेजी और स्थिरता से नहीं बढ़ा है, जितना भारत बढ़ा है। अब लोगों की अपेक्षाएं बहुत अधिक हैं। इन अपेक्षाओं को पूरा करना होगा। आपको आउट ऑफ बॉक्स सोचना होगा। उन्होंने कहा कि युवाओं को खुद पर विश्वास करना चाहिए।

सीआरपीएफ जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को मारी गोली

श्रीनगर 12 जनवरी । मध्य कश्मीर के श्रीनगर जिले में रविवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक जवान ने अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि जवान ने श्रीनगर में 161 बटालियन में अपनी सर्विस राइफल से खुद को गोली मार ली। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है।

गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग, प्रयागराज कुंभ के लिए प्रस्थान किया

जम्मू, 12 जनवरी । मूवमेंट कल्की के सदस्यों ने रविवार को गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की अपनी मांग को लेकर आंदोलन के 84वें दिन जम्मू रेलवे स्टेशन से प्रयागराज महाकुंभ के लिए प्रस्थान किया।

यह आंदोलन लगातार ठंड, शीत लहर और बारिश के बावजूद न सिर्फ जारी है बल्कि दिन-ब-दिन इसमें लोगों का उत्साह और जोश बढ़ता जा रहा है। आंदोलनकारियों का कहना है कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए वे किसी भी सीमा तक जाने को तैयार हैं।

जम्मू रेलवे स्टेशन से रवाना होते समय मूवमेंट कल्की के बोर्ड सदस्य अजय कुमार ने कहा हमारा आंदोलन न केवल जम्मू बल्कि पूरे देश में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की आवाज बुलंद कर रहा है। अब इस आवाज को हम प्रयागराज महाकुंभ में 50 करोड़ श्रद्धालुओं और संत समाज के बीच उठाएंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी मांग धर्म संसद तक पहुंचे और गौ माता को वह सम्मान मिले, जिसकी वह हकदार है।

बोर्ड सदस्य अनुराधा जी ने कहा महाकुंभ में स्नान कर हम अपनी ऊर्जा को बढ़ाएंगे और धर्म संसद के माध्यम से गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

यह आंदोलन सिर्फ एक मांग नहीं है बल्कि हमारी आस्था और हिंदू समाज की परंपरा का हिस्सा है। गौ माता के दूध से हमारा पालन-पोषण होता है और उसके प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक यह आंदोलन है। प्रयागराज कुंभ के दौरान मूवमेंट कल्की के सदस्य संत समाज और श्रद्धालुओं के साथ मिलकर अपनी मांग को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वे धर्म संसद में गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए प्रस्ताव पेश करेंगे। इसके अलावा, महाकुंभ में धरना प्रदर्शन और जागरूकता अभियानों के जरिए यह आंदोलन और तेज किया जाएगा।

विधायक ने सुनीं जनता की समस्याएं, अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

जम्मू, 12 जनवरी। चेनानी के विधायक बलवंत सिंह मनकोटिया ने आज नगर पालिका कार्यालय में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। मनकोटिया ने उनकी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए।

जनता की शिकायतें मुख्य रूप से सड़क निर्माण, पानी और बिजली की समस्याओं, और अन्य बुनियादी सुविधाओं से संबंधित थीं। मनकोटिया ने अधिकारियों से कहा कि वह जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करें। मनकोटिया ने कहा जनता ने मुझे सेवा का मौका दिया है, और उनकी समस्याओं का समाधान करना मेरी पहली जिम्मेदारी है। मैं हर समय उनके लिए उपलब्ध हूं और उनका हर मुद्दा मेरी प्राथमिकता है। मनकोटिया ने जनता को आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

काशीर कलाकार सीजन-7 के ग्रैंड फिनाले में जम्मू में कश्मीरी संस्कृति का जश्न मनाया गया

जम्मू, 12 जनवरी । काशीर कलाकार सीजन-7 के ग्रैंड फिनाले में इनविटेशन बैंक्वेट हॉल, रूप नगर में शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। एथ्रोट कल्चरल फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कश्मीरी कला, संस्कृति और भाषा का जश्न मनाया गया जिसे विभिन्न संगठनों और मीडिया भागीदारों ने समर्थन दिया। जम्मू-कश्मीर के राहत और पुनर्वास आयुक्त (प्रवासी) डॉ. अरविंद करवानी मुख्य अतिथि थे जिन्होंने कश्मीरी पंडित संस्कृति को संरक्षित करने के लिए फाउंडेशन के प्रयासों की प्रशंसा की। स्वामी कुमार जी और वरिष्ठ सामुदायिक कार्यकर्ताओं सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने युवा कलाकारों की उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए सराहना की।

इस कार्यक्रम में जूनियर और सीनियर गायन श्रेणियों में जीवंत प्रतियोगिताएं हुईं जिसमें विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र, नकद पुरस्कार और छात्रवृत्तियां मिलीं। मुख्य आकर्षण में संदीप कौल सनी द्वारा अस्सी ची कुन्नी आवाज़ का विशेष प्रदर्शन शामिल था जिसने समुदाय को एक शक्तिशाली संदेश दिया।

संपादकीय

घुसपैठ अभी भी एक बड़ा मुद्दा

यह वास्तव में दिलचस्प है कि जम्मू-कश्मीर पुलिस सहित सुरक्षा बलों द्वारा उठाए गए कई कदमों के बावजूद, पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ अभी भी एक बड़ा मुद्दा है, जो हितधारकों के सामने है और इस समस्या को हमेशा के लिए खत्म करने के लिए और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।

निस्संदेह, एक बार जब यह मुद्दा आईबी और एलओसी दोनों सीमाओं पर सुलझ जाएगा, तो क्षेत्र में आतंकवाद अपने आप कम हो जाएगा क्योंकि घुसपैठ देश के पश्चिमी पड़ोसी को आतंकवाद को बढ़ावा देकर भारत में छद्म युद्ध जारी रखने में मदद करने वाले मुख्य कारकों में से एक है।

इस संदर्भ में, सुरक्षा बल हमेशा चौकस रहते हैं और इन क्षेत्रों में स्थित खुफिया तंत्र पर भरोसा करने के अलावा जमीनी स्थिति के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी लेने के लिए सीमाओं के पास रहने वाले स्थानीय समुदायों की मदद लेते हैं।

कथित तौर पर, अखनूर सेक्टर के भट्टल इलाके में स्थानीय समुदाय द्वारा जोगीवान वन क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों के बारे में सूचित किए जाने के बाद सेना और स्थानीय पुलिस की विभिन्न इकाइयाँ आतंकवादियों का पता लगाने के लिए काम पर लगी हुई हैं। सुरक्षा बलों ने इलाके की जांच के लिए खोजी कुत्तों के अलावा ड्रोन और अन्य नवीनतम उपकरणों को तैनात किया है।

यह तो तय है कि भाग रहे आतंकी गिरोहों को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को इस बात की चिंता है कि इस खतरे को रोकने के लिए बहुआयामी उपाय और बहुआयामी रणनीति अपनाने के बावजूद घुसपैठ जारी है।

चूंकि घुसपैठ की समस्या सुरक्षा एजेंसियों को परेशान कर रही है, इसलिए ड्रोन, सेंसर और नाइट-विज़न उपकरण जैसी उन्नत तकनीक के माध्यम से चौबीसों घंटे ऐसी प्रणाली स्थापित करके सीमा निगरानी को मजबूत करना महत्वपूर्ण हो गया है। इसके अलावा, शांति को बिगाड़ने के लिए सीमा के इस तरफ भाड़े के सैनिकों को भेजने की दुश्मन की योजनाओं को विफल करने के लिए विभिन्न स्तरों पर काम करने वाली खुफिया एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल महत्वपूर्ण है।

हालांकि सीमाओं पर भौतिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं जैसे मजबूत बाड़ और अवरोध बनाना, फिर भी अभी भी कुछ खामियां हैं जिन्हें भरने की जरूरत है, खासकर जल निकायों और सुरंगों वाले स्थानों के पास।

सबसे बढ़कर, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने के लिए इस खतरे को रोकने के लिए मानव निगरानी का शीर्ष स्तर सबसे महत्वपूर्ण कारक है। हितधारकों को हमेशा यह विश्वास रखना चाहिए कि कुछ भी असंभव नहीं है क्योंकि यह विश्वास उन्हें घुसपैठ को रोकने में सक्षम बनाएगा क्योंकि सकारात्मकता मजबूत संकल्प को जन्म देती है, जो सबसे कठिन माने जाने वाले कार्यों को पूरा करने के लिए जरूरी है।

लोहड़ी : खुशियों का संदेशवाहक पर्व

– योगेश कुमार गोयल

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आह्वान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें।

उत्तर भारत में मनाया जाने वाला प्रमुख पर्व है लोहड़ी। पंजाब, हरियाणा तथा हिमाचल प्रदेश में खासतौर से पंजाबी समुदाय में तो इस पर्व पर एक अलग ही उत्साह देखा जाता है। यह ऐसा त्यौहार है, जो आधुनिक युग के व्यस्तता भरे माहौल में सुकून भरे कुछ पल लेकर आता है और लोग सारी व्यस्तताएं भूलकर भरपूर जोश और उल्लास के साथ इस पर्व का भरपूर आनंद लेते हैं।

पंजाब तथा जम्मू कश्मीर में तो लोहड़ी पर्व मकर संक्रांति के रूप में ही मनाया जाता है। सिंधी समाज में भी मकर संक्रांति से एक दिन पहले लोहड़ी के रूप में 'लाल लाही' नामक पर्व मनाया जाता है। लोहड़ी को लेकर कुछ लोककथाएं भी प्रचलित हैं। मान्यता है कि कंस ने इसी दिन लोहिता नामक एक राक्षसी को श्रीकृष्ण का वध करने के लिए भेजा था, जिसे श्रीकृष्ण ने खेल-खेल में ही मार डाला था और उसी घटना की स्मृति में यह पर्व मनाया जाने लगा। लोहड़ी पर अग्नि प्रज्जवलित करने के संबंध में एक लोककथा यह भी है कि दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि दहन की स्मृति में ही इस दिन अग्नि प्रज्जवलित की जाती है। लोहड़ी को लेकर सर्वाधिक प्रचलित कथा दुल्ला भट्टी नामक डाकू से संबंधित रही है, जिसे 'पंजाबी रॉबिनहुड' का दर्जा प्राप्त है।

जिस प्रकार होली जलाई जाती है, ठीक उसी प्रकार लकड़ियां एकत्रित कर लोहड़ी के अवसर पर अलाव जलाये जाते हैं और अग्नि का तिलों से पूजन किया जाता है। जिस दिन यह पर्व मनाया जाता है, उस दिन कड़ाके की ठंड होती है और उत्तर भारत में अधिकांश जगहों पर घने कोहरे के बीच तापमान प्रायः शून्य से पांच डिग्री के बीच होता है लेकिन इतनी ठंड के बावजूद इस पर्व के प्रति लोगों का उत्साह देखते बनता है। लोहड़ी के पावन अवसर पर लोग घरों के बाहर अलाव जलाकर यह पर्व धूमधाम से मनाते हैं। इस पर्व का संबंध उस उत्सव से भी माना गया है, जिसमें सर्दी को अलविदा कहते हुए सूर्यदेव का आह्वान करते हुए कहा जाता है कि वह इस माह अपनी किरणों से पृथ्वी को इतना गर्म कर दे कि ठंड से किसी को कोई नुकसान न पहुंचे और लोग आसानी से सर्दी के मौसम का मुकाबला कर सकें। माना जाता है कि इसी दिन से सर्दी कम होने लगती है। लोग अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर ठंड से बचाव करने के साथ-साथ अग्नि की पूजा भी करते हैं ताकि उनके घर में अग्निदेव की कृपा से सुख-समृद्धि का साम्राज्य स्थापित हो सके।

हरियाणा व पंजाब में जिस घर में नई शादी हुई हो अथवा संतान (लड़के) का जन्म हुआ हो या शादी की पहली वर्षगांठ का मौका हो, ऐसे परिवारों में लोहड़ी का विशेष महत्व होता है। इन परिवारों में लोहड़ी के अवसर पर उत्सव जैसा माहौल होता है। आसपास के लोगों के अलावा रिश्तेदार भी इस उत्सव में सम्मिलित होते हैं। घर में अथवा घर के बाहर खुले स्थान पर अग्नि जलाकर लोग उसके इर्द-गिर्द इकट्ठे होकर आग सेंकते हुए अग्नि में मूंगफली, गुड़, तिल, रेवड़ी, मक्का के भुने हुए दानों इत्यादि की आहूति देते हैं और रातभर भंगड़ा, गिद्धा करते हुए मनोरंजन करते हैं तथा बधाई देते हैं।लोहड़ी का संबंध सुन्दरी नामक एक ब्राह्मण कन्या और दुल्ला भट्टी नामक कुख्यात डाकू से जोड़कर देखा जाता रहा है। दुल्ला भट्टी अमीरों का धन लूटकर निर्धनों में बांट दिया करता था। कहा जाता है कि गंजीबार क्षेत्र, जो इस समय पाकिस्तान में है, में एक ब्राह्मण रहता था, जिसकी सुन्दरी नामक एक बहुत खूबसूरत बेटी थी, जो इतनी खूबसूरत थी कि उसके सौन्दर्य की चर्चा गली-गली में होने लगी थी। जब उसके बारे में गंजीबार के राजा को पता चला तो उसने ठान लिया कि वह सुन्दरी को अपने हरम की शोभा बनाएगा। तब उसने सुन्दरी के पिता को संदेश भेजा कि वह अपनी बेटी को उसके हरम में भेज दे। इसके लिए ब्राह्मण को तरह-तरह के प्रलोभन भी दिए मगर ब्राह्मण अपनी बेटी को राजा की रखैल नहीं बनाना जाता था। उसे समझ नहीं आ रहा था कि वह क्या करे? जब उसे कुछ नहीं सूझा तो उसे जंगल में रहने वाले कुख्यात डाकू दुल्ला भट्टी का ख्याल आया, जो गरीबों व शोषितों की मदद करने के लिए हमेशा तत्पर रहता था। घबराया ब्राह्मण अपनी बेटी सुन्दरी को लेकर उसी रात उसके पास पहुंचा और विस्तार से सारी बात बताई। दुल्ला भट्टी ने ब्राह्मण की व्यथा सुन उसे सांत्वना दी और रात को ही एक योग्य ब्राह्मण लड़के की तलाश कर सुन्दरी को अपनी ही बेटी मानकर उसका कन्यादान अपने हाथों से करते हुए उस युवक के साथ सुन्दरी का विवाह कर दिया।

गंजीबार के राजा को इसकी जानकारी मिली तो वह बौखला उठा। उसके आदेश पर उसकी सेना ने दुल्ला भट्टी के ठिकाने पर धावा बोल दिया किन्तु दुल्ला भट्टी और उसके साथियों ने राजा को बुरी तरह धूल चटा दी। दुल्ला भट्टी के हाथों गंजीबार के शासक की हार होने की खुशी में गंजीबार में लोगों ने अलाव जलाए और दुल्ला भट्टी की प्रशंसा में गीत गाकर भंगड़ा डाला। कहा जाता है कि तभी से लोहड़ी के अवसर पर गाए जाने वाले गीतों में सुन्दरी व दुल्ला भट्टी को विशेष तौर पर याद किया जाने लगा।

लोहड़ी से पहले ही बच्चे इकट्ठे होकर लोहड़ी के गीत गाते हुए घर-घर जाकर लोहड़ी मांगने लगते हैं। इस दिन उत्सव के लिए लकड़ियां व उपले एकत्र करने के लिए भी बच्चे कई दिन पहले ही जुट जाते हैं। वैसे समय बीतने के साथ-साथ अब घर-घर से लकड़ियां मांगकर लाने की परम्परा समाप्त होती जा रही है। बहुत से स्थानों पर लोग अब लकड़ियां व उपले बच्चों के जरिये मांग-मांगकर एकत्र कराने के बजाय खरीदने लगे हैं।

लोहड़ी के दिन सुबह से ही रात के उत्सव की तैयारियां आरंभ हो जाती हैं और रात के समय लोग अपने-अपने घरों के बाहर अलाव जलाकर उसकी परिक्रमा करते हुए उसमें तिल, गुड़, रेवड़ी, चिड़वा, पॉपकॉर्न इत्यादि डालते हैं और माथा टेकते हैं। उसके बाद अलाव के चारों ओर बैठकर आग सेंकते हैं। तब शुरू होता है गिद्दा और भंगड़ा का मनोहारी कार्यक्रम, जो रात्रि में देर तक चलता है और कहीं-कहीं तो पूरी-पूरी रात भी चलता है। अगले दिन प्रातः अलाव ठंडा होने पर मौहल्ले के सभी लोग इसकी राख को 'ईश्वर का उपहार' मानते हुए अपने-अपने घर ले जाते हैं। यह पर्व सही मायने में समाज में प्रेम व भाईचारे की अनूठी मिसाल कायम करता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मकर संक्रान्ति - आस्था और विश्वास का संगम है गंगासागर

रमेश सर्राफ धमोरा

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

भारत में सबसे पवित्र गंगा नदी, गंगोत्री से निकल कर पश्चिम बंगाल में सागर से मिलती है। गंगा का जहां सागर से मिलन होता है उस स्थान को गंगासागर के नाम से जाना जाता है। इस स्थान को सागरद्वीप के नाम से भी जाना जाता है। गंगासागर सिर्फ़ एक तीर्थस्थल नहीं है। यह भावना, संस्कृति, आस्था और विश्वास का संगम है। जीवन का उत्सव है। धर्म हमेशा से ही इस भूमि की संस्कृति में समाया हुआ है। कुम्भ मेले को छोड़कर देश में आयोजित होने वाले अन्य सभी मेलों में गंगासागर का मेला सबसे बड़ा मेला होता है। हिन्दू धर्मग्रन्थों में इसकी चर्चा मोक्षधाम के तौर पर की गई है। जहां मकर संक्रान्ति के मौके पर दुनिया भर से लाखों श्रद्धालु मोक्ष की कामना लेकर आते हैं और सागर-संगम में डुबकी लगाते है।

मान्यता के अनुसार साल की 12 संक्रान्तियों में मकर संक्रान्ति का सबसे महत्व ज्यादा है। इस दिन सूर्य मकर राशि में आता हैं और इसके साथ देवताओं का दिन शुरू हो जाता है। गंगासागर के संगम पर श्रद्धालु समुद्र को नारियल और यज्ञोपवीत भेंट करते हैं। समुद्र में पूजन एवं पिण्डदान कर पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में स्नान-दान का महत्व शास्त्रों में विस्तार से बताया गया है। मेले में आये लोग कपिल मुनि के आश्रम में उनकी मूर्ति की पूजा करते हैं। मन्दिर में गंगा देवी, कपिल मुनि तथा भागीरथ की मूर्तियां स्थापित हैं।

मकर संक्रांति पर जैसे ही सूर्य देव धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश करते हैं। लाखों तीर्थयात्री पवित्र संगम पर डुबकी लगाते हैं। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन स्नान करने का विशेष महत्व है। पौराणिक मान्यता है कि इस दिन गंगासागर में जो श्रद्धालु एक बार स्नान करता है उसे 10 अश्वमेध यज्ञ और एक हजार गाय दान करने का फल मिलता है। गंगासागर की तीर्थयात्रा सैकड़ों तीर्थयात्राओं के समान मानी जाती है।

पहले गंगासागर जाना हर किसी के लिये सम्भव नहीं होता था। तभी कहा जाता था कि सारे तीरथ बार-बार गंगासागर एक बार। हालांकि यह पुराने जमाने की बात है जब यहां सिर्फ जल मार्ग से ही पहुंचा जा सकता था। आधुनिक परिवहन साधनों से अब यहां आना सुगम हो गया है। पश्चिम बंगाल के दक्षिण चौबीस परगना जिले में स्थित इस तीर्थस्थल पर कपिल मुनि का मंदिर बना हुआ हैं। जिन्होंने भगवान राम के पूर्वज और इक्ष्वाकु वंश के राजा सगर के 60 हजार पुत्रों का उद्धार किया था। मान्यता है कि यहां मकर संक्रान्ति पर पुण्य-स्नान करने से मोक्ष का मार्ग प्रशस्त होता है।

सुन्दरवन निकट होने के कारण गंगासागर मेले को कई विषम स्थितियों का सामना करना पड़ता है। तूफान व ऊंची लहरें हर वर्ष मेले में बाधा डालती हैं। इस द्वीप में ही रॉयल बंगाल टाइगर का प्राकृतिक आवास है। यहां दलदल, जलमार्ग तथा छोटी छोटी नदियां, नहरें भी है। बहुत पहले इस स्थान पर गंगा जी की धारा सागर में मिलती थी। किंतु अब इसका मुहाना पीछे हट गया है। अब इस द्वीप के पास गंगा की एक बहुत छोटी सी धारा सागर से मिलती है। यह मेला पांच दिन चलता है। इसमें स्नान मुहूर्त तीन दिनों का होता है। यहां अलग से गंगाजी का कोई मंदिर नहीं है। मेले के लिये एक स्थान निश्चित है। कहा जाता है कि यहां स्थित कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर सागर की लहरें बहा ले गयी थी। मन्दिर की मूर्ति अब कोलकाता में रखी रहती है और मेले से कुछ सप्ताह पूर्व यहां के पुरोहितों को पूजा अर्चना के लिये मिलती है।

गंगासागर में मकर संक्रान्ति से पन्द्रह दिन पहले ही मेला शुरू हो जाता है। मेले में दुनिया के विभिन्न भागों से तीर्थयात्री, साधु-संत आते हैं और संगम में स्नान कर सूर्यदेव को अर्घ्य देते हैं। मेले की विशालता के कारण लोग इसे मिनी कुंभ मेला भी कहते हैं। मकर संक्रान्ति के दिन यहां सूर्यपूजा के साथ विशेष तौर कपिल मुनि की पूजा की जाती है। ऐसी मान्यता है कि ऋषि-मुनियों के लिए गृहस्थ आश्रम या पारिवारिक जीवन वर्जित होता है। भगवान विष्णु जी के कहने पर कपिलमुनी के पिता कर्दम ऋषि ने गृहस्थ आश्रम में प्रवेश किया। उन्होने विष्णु भगवान से शर्त रखी कि भगवान विष्णु को उनके पुत्र रूप में जन्म लेंना होगा। भगवान विष्णु ने शर्त मान ली फलस्वरुप कपिलमुनी का जन्म हुआ जिन्हें विष्णु का अवतार माना गया। आगे चलकर गंगा और सागर के मिलन स्थल पर कपिल मुनि आश्रम बनाकर तप करने लगे।

इस दौरान राजा सगर ने अश्वमेध यज्ञ आयोजित किया। इस के बाद यज्ञ के अश्वों को स्वतंत्र छोड़ा गया। परिपाटी है कि ये जहां से गुजरते हैं वे राज्य अधीनता स्वीकार करते है। अश्व को रोकने वाले राजा को युद्ध करना पड़ता है। राजा सगर ने यज्ञ अश्वों के रक्षा के लिए उनके साथ अपने 60 हजार पुत्रों को भेजा। अचानक यज्ञ अश्व गायब हो गया। खोजने पर यज्ञ का अश्व कपिल मुनि के आश्रम में मिला। फलतः सगर पुत्र साधनरत ऋषि से नाराज हो उन्हे अपशब्द कहने लगे। ऋषि ने नाराज हो कर उन्हें शापित करते हुये अपने नेत्रों के तेज से भस्म कर दिया। मुनि के श्राप के कारण उनकी आत्मा को मुक्ति नहीं मिल सकी। काफी वर्षों के बाद राजा सगर के पौत्र राजा भागीरथ कपिल मुनि से माफी मांगने पहुंचे। कपिल मुनि राजा भागीरथ के व्यवहार से प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि गंगा जल से ही राजा सगर के 60 हजार मृत पुत्रों का मोक्ष संभव है। राजा भागीरथ ने अपने अथक प्रयास और तप से गंगा को धरती पर उतारा। अपने पुरखों के भस्म स्थान पर गंगा को मकर संक्रान्ति के दिन लाकर उनकी आत्मा को मुक्ति और शांति दिलाई। यही स्थान गंगासागर कहलाया। इसलिए यहां स्नान का इतना महत्व है।

गंगासागर का मेला 5 दिन तक चलता है। इस दौरान तीर्थयात्री लोग मुंडन, श्राद्ध, पिण्डदान और समुद्र में पितरों को जल अर्पित करते हैं। गंगासागर में कपिल मुनि का प्राचीन मंदिर था जोकि समुद्र में समा गया। 1973 में यहाँ कपिल मुनि का नया मंदिर बना जहां श्रद्धालु दर्शन करते हैं। गंगासागर गंगा नदी का एक छोटा डेल्टा द्वीप है जिसकी आबादी करीब 2 लाख और क्षेत्रफल 282 वर्ग किमी है। सागर द्वीप के एक ओर बंगाल की खाड़ी और दूसरी ओर बांग्लादेश है। इस सुंदर द्वीप के ज्यादातर क्षेत्र में घने जंगल है। कपिल मुनि के मंदिर, आश्रम के अलावा यहाँ महादेव मंदिर, शिव शक्ति-महानिर्वाण आश्रम, भारत सेवाश्रम संघ का मंदिर, धर्मशालायें भी है।

गंगासागर वास्तव में एक टापू है जो गंगा नदी के मुहाने पर स्थित है। यहां बंगला भाषी आबादी रहती है। यह पूरी तरह से ग्रामीण ईलाका है। यहां आने वाले तीर्थयात्रियों के रहने के लिए यहां पर होटल, आश्रम व धर्मशालायें है। अब पूरे वर्ष यहां लोगों का आवागमन लगा रहता है। कोलकाता से पूरे मार्ग में सडक बनी हुयी है। मात्र 5 किलोमीटर पानी में नाव का सफर करना पड़ता है। गंगासागर में मकर संक्रांति के दिन 14 व 15 जनवरी को मुख्य मेला लगता है। जिसमें लाखों लोग स्नान और पूजा करने आते हैं।

पश्चिम बंगाल सरकार मुख्य भूमि को सागर द्वीप से जोड़ने वाली मुरी गंगा नदी पर चार साल में पांच किलोमीटर लंबा गंगासागर सेतु बनाएगी। जिसके निर्माण पर 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाला गंगासागर मेला 17 जनवरी तक चलेगा। इस साल देश भर से 50 लाख से अधिक लोगों के मेले में शामिल होने की उम्मीद है। ब्रिज बनने से श्रद्धालु जलमार्ग की बजाय सड़क मार्ग से कचुबेरिया तक आ सकेंगे। गंगासागर मेला में दुनियाभर से श्रद्धालु आते हैं। इस कारण गंगासागर मेले को भी कुंभ मेले जैसा दर्जा मिलना चाहिये। ताकि यहां के विकास के लिये कुम्भ मेले की तरह अलग से बजट उपलब्ध हो सके।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

स्व. भास्कर राव कलंबी : धर्म, राष्ट्रवाद और जनजाति विकास को समर्पित जीवन

– तरुण विजय

भास्कर राव ऐसे प्रबुद्ध व्यक्ति थे, जो गांधीजी और दीनदयाल उपाध्याय के उच्च आदर्शों के साथ एकाकार हो गए। उन्होंने जीवन पूरे भारत में धर्म, राष्ट्रवाद और जनजाति विकास के लिए समर्पित कर दिया। उनके जीवन का दूसरा अवतार 1984 में भारत के सबसे बड़े जनजाति सेवा संगठन वनवासी कल्याण आश्रम से जुड़ना था। वनवासी कल्याण आश्रम ने उनके मार्गदर्शन में वनवासी समाज के लिए बेहतरीन सेवा परियोजनाएं, नए छात्रावास, चिकित्सा केंद्र, स्कूल और साक्षरता कक्षाएं देखीं। उन्होंने मदद की और प्रत्येक स्वयंसेवक को कभी ऐसा नहीं लगा कि उनकी मदद एक %बोझ% की तरह है जिसे चुकाया जाना है।

भास्कर राव जी दयालु, मृदुभाषी, सौम्य और बहुत विनम्र थे। जब मैं उनके शुरुआती वर्षों को देखता हूं तो मुझे आश्चर्य होता है कि कैसे एक बीस वर्षीय युवा समाज के लिए अपना जीवन देने का फैसला कर सकता है, जबकि उस समय उसके पास एलएलबी की डिग्री थी, जब वकील होने का मतलब एक उच्च प्रोफ़ाइल, आरामदायक समृद्ध जीवन था।उनकी सादगी, विनम्र स्वभाव, सबसे साधारण युवा से सर्वश्रेष्ठ को बाहर निकालने की असाधारण क्षमता- उनकी खूबी थी वनवासी कल्याण आश्रम के विकास में उनका योगदान अभूतपूर्व है। उन्होंने पूरे भारत में जनजाति क्षेत्रों में हजारों स्कूलों, छात्रावासों की मदद की।

यह उनके लिए एक नई दुनिया थी- क्योंकि जनजाति भारतीय परिवेश का एक बहुत ही अलग ताना-बाना बनाते हैं, जो शानदार है लेकिन फिर भी कई प्रतिकूल परिस्थिति से घिरा हुआ है जो उन्हें अमीर शहरी व्यापारियों, खनिकों, नौकरशाहों और निश्चित रूप से धर्मांतरण की विदेशी वित्तपोषित साजिशों द्वारा शोषण के लिए असुरक्षित बनाता है। यह अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है कि हालांकि जनजाति समाज भारत की जनसंख्या का सिर्फ आठ प्रतिशत हैं, लेकिन उग्रवाद, आतंकवाद और विदेशी नियंत्रित गतिविधियों जैसे भारत के विकास के लिए हानिकारक एजेंसियों के माध्यम से अन्य धर्मों में धर्मांतरण की 98 प्रतिशत से अधिक घटनाएं अकेले वनवासी क्षेत्र में होती हैं।

बहुत जल्द भास्कर राव ने स्थिति को समझ लिया और उन्होंने वनवासी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर ध्यान केंद्रित किया ताकि वे अपने पर्यावरण के बारे में जागरूक हो सकें, खतरों को समझ सकें और शोषक ताकतों का शिकार होने की अपनी भेद्यता को कम कर सकें। वे कहते थे, जो नहीं समझेंगे कि शोषण का क्या मतलब है और न ही आप भूखे लड़के को धार्मिक ग्रंथ पढ़ा सकते हैं। उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाइए, उन्हें अच्छी शिक्षा दीजिए और आपके पास एक नए भारत के पुनर्निर्माण के लिए तैयार प्रतिभाशाली, जागरूक देशभक्त भारतीय होंगे। अच्छी शिक्षा न केवल समृद्धि और स्वास्थ्य की कुंजी है, बल्कि देशभक्त भारतीयों को तैयार करने की भी कुंजी है जो मातृभूमि के विकास में बहुत बड़ा योगदान दे सकते हैं।महान विचारों को उन्होंने इतनी खूबसूरती से समझाया कि उन्हें और अधिक विस्तार से बताने या प्रतिक्रियावादी, आक्रामक मोड में जाने की शायद ही कोई आवश्यकता थी। वे हमारे लिए, भारत के लिए वह सब कुछ थे, जो हम महात्मा गांधी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व में देखते हैं। भास्कर राव वास्तव में हमारे समय के महात्मा थे।

(लेखक, जाने-माने पत्रकार, लेखक व चिंतक हैं।)

सुयश ने की शानदार बल्लेबाजी, दयानंद एसोसिएशन पहुंचा फाइनल में

एजेंसी

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के बी डिवीजन में हुए सेमी फाइनल में दयानंद यंग मेंस एसोसिएशन ने आशीष नेहरा क्रिकेट एकेडमी को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस मैच में सुयश सिंह ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 62 रन बनाये। आशीष नेहरा की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में अपने सभी विकेट गंवाकर 166 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज यशवर्धन ने 20 रन का योगदान दिया। अमित राज ने अपनी टीम में सबसे अधिक 32 रन बनाए, जबकि हर्ष वर्धन ने 18 रन का योगदान दिया। ऋतिक मिश्रा ने 28 रन का योगदान दिया, वहीं दयानंद की टीम ने छह विकेट गंवाकर 169 रन बना लिए और मैच को चार विकेट से जीत लिया। सबसे अधिक 62 रन सुयश ने बनाये। वहीं विदित सिंह ने 52 रन का योगदान दिया। वर्तुल शुक्ला ने 21 रन बनाये।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलः 2000 खिलाड़ी व प्रतिनिधि लेंगे हिस्सा

नैनीताल। उत्तराखंड में हो रहे 38वें राष्ट्रीय खेलों को लेकर तैयारियां चरण में हैं। इस राष्ट्रीय पर्व में विभिन्न राज्यों से लगभग 2000 खिलाड़ी और प्रतिनिधि (डेलीगेट) हिस्सा लेंगे। हल्द्वानी स्थित मिनी स्टेडियम में तैयारियों को अंतिम रूप दे रहे मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) और नोडल अधिकारी अशोक पांडेय ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि 28 जनवरी से 14 फरवरी के बीच होने वाले राष्ट्रीय खेलों में देश के विभिन्न हिस्सों से 2000 खिलाड़ी और डेलीगेट्स प्रतिभाग करेंगे। श्री पांडे ने खेल विभाग, इवेंट कंपनी और सभी अधिकारियों के साथ बैठक की और तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने इवेंट कंपनी के साथ बेहतर तालमेल और समन्वय बनाते हुए कार्यों को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने कुछ विभागों द्वारा तय समय पर कार्य पूरे नहीं किए जाने को गंभीरता से लिया और उप खेल निदेशक को स्पष्ट निर्देश दिए कि जिन विभागों के द्वारा नियत तिथि पर कार्य पूरा नहीं किया गया है। उसकी जानकारी साझा करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को हिदायत दी है कि किसी भी प्रकार की गलती और लापरवाही को क्षमा नहीं की जाएगी। सीडीओ ने फुटबॉल और मॉडर्न पेंटाथलॉन के मैदान तैयार होते ही ट्रायल मैच करने के साथ ही खेलों के लिए रूट फाइनल करने के निर्देश दिए। जिससे पार्किंग स्थल, खिलाड़ियों के ठहरने और खान पान की आदि की समुचित व्यवस्था की जा सके। गरुड़ताल तथा सातताल में माउंटेन बाइकिंग के रूट को तीन दिन के भीतर सत्यापन करने के निर्देश दिए।

आस्ट्रेलिया में मिली हार की वजह तलाशेगा बीसीसीआई

मुंबई। भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) पिछले दिनो आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार की समीक्षा करेगा। उम्मीद है कि होने वाली इस बैठक में कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य पर भी विचार विमर्श होगा।गौरतलब है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में हार के बाद भारत ने हाल ही में संपन्न आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट श्रंखला 1-3 से गंवा दी थी। हार में टाप आर्डर और मिडिल आर्डर की विफलता को मुख्य कारण माना जा रहा है। बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार मुख्य कोच गौतम गंभीर की मौजूदगी में होने वाली बैठक में चैंपियंस ट्राफी में टीम के प्रमुख बल्लेबाज रोहित शर्मा और कोहली को खुद को साबित करने का मौका दिया जा सकता है। हालांकि इसके बाद टीम में व्यापक फेरबदल की संभावना है।

भारत-इंग्लैंड के बीच पहले टी20 के लिए टिकट की बिक्री शुरू

चेन्नई। भारत और इंग्लैंड के बीच 25 जनवरी को यहां खेले जाने वाले पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टिकटों की बिक्री रविवार से शुरू होगी। तमिलनाडु क्रिकेट एसोसिएशन (टीएनसीए) ने एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि टिकटों की कीमत 1500 रुपये से शुरू होंगी जिसकी अधिकतम कीमत 12 हजार रुपये रखी गयी है। क्रिकेट प्रेमी अपने टिकट ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म 'डिस्ट्रिक्ट बाय ज़ोमैटो' मोबाइल ऐप या आधिकारिक वेबसाइट से बुक कर सकते हैं।

एमए चिदंबरम मैदान में खेले जाने वाले मैच के लिये कार पार्क और दोपहिया पार्किंग कलैवनार अरंगम (वल्लाजाह रोड) पर उपलब्ध रहेगी जबकि कार पार्किंग चेपक रेलवे कार पार्किंग, विक्टोरिया हॉस्टल (विक्टोरिया हॉस्टल रोड), ओमनदुरार मेडिकल महाविद्यालय परिसर में रखी गयी है। स्टेडियम को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया है और कोई प्लास्टिक बैग या कोई अन्य प्लास्टिक ले जाने की इजाजत नहीं होगी। सभी स्टैंडों में जनता और ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों के लिए मुफ्त पेयजल की सुविधा उपलब्ध है। गेट पर बारकोड/क्यूआर कोड के साथ ई-टिकट स्कैन करके प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। प्रवेश द्वार मैच से दो घंटे पहले खोले जाएंगे।

आईएसएलः मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने बेंगलुरू एफसी को दी अप्रत्याशित हार

एजेंसी

बेंगलुरु। बेंगलुरू एफसी को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में अप्रत्याशित हार का मुंह देखना पड़ा, जब मेजबान टीम को उसी घरेलू मैदान श्री कांतीरवा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अंक तालिका की सबसे निचली टीम मोहम्मडन एससी ने 1-0 से हरा दिया। ब्लैक पैंथर्स की जीत में उज्बेक मिडफील्डर मिर्जालोल कासिमोव ने मैच का एकमात्र गोल 88वें मिनट में दागा। मोहम्मडन स्पोर्टिंग के फ्रेंच सेंटर-बैक फ्लोरेंट ओगियर को डिफेंस में मजबूत प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। आज हेड कोच जारागोजा की अनुपस्थिति के कारण कमान संभाल रहे सहायक कोच रेनेडी सिंह ब्लूज की इस हार से निश्चित रूप से निराश होंगे। बेंगलुरू एफसी 15 मैचों में आठ जीत, तीन ड्रा और चार हार से 27 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर बनी हुई है। वहीं, ब्लैक पैंथर्स द्वारा दूसरी जीत हासिल करने से रूसी हेड कोच

आंद्रेई चेर्निशोव बेहद प्रसन्न होंगे। मोहम्मडन स्पोर्टिंग 15 मैचों में दो जीत, चार ड्रा और नौ हार से 10 अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे नीचे से ऊपर उठकर 12वें स्थान पर आ गई है। मैच का एकमात्र गोल 88वें मिनट में आया, उज्बेक मिडफील्डर मिर्जालोल कासिमोव ने मोहम्मडन स्पोर्टिंग को बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। बॉक्स के बाहर मिली फ्री-किक पर कासिमोव ने लगभग 25 गज की दूरी से करारा शॉट लगाया और गेंद हवा में घुमती हुई डिफेंसिव वॉल के ऊपर से निकल कर लेफ्ट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी जबकि गोलकीपर गुरप्रीत संधू अपने दाहिनी तरफ डाइव लगाकर भी बचाव करने में विफल हुए। पहला हाफ गोलरहित बराबरी पर समाप्त हुआ, क्योंकि दोनों ही टीमें गतिरोध तोड़कर बढ़त बनाने में नाकाम रहीं। लिहाजा, हाफ टाइम ब्रेक पर स्कोर 0-0 था। गेंद पर ज्यादा नियंत्रण बेंगलुरू एफसी का 70 फीसदी रहा। ब्लूज ने नौ प्रयास किए, जिनमें से दो शॉट टारगेट पर रखे लेकिन गोल नहीं आया। वहीं, गेंद पर 30 फीसदी कब्जा रखने वाली मोहम्मडन स्पोर्टिंग की तरफ से छह प्रयास किए गए, जिनमें से केवल एक शॉट टारगेट पर था लेकिन गोल नहीं आया। पूरे हाफ के दौरान मोहम्मडन स्पोर्टिंग बेहद डिफेंसिव खेलती नजर आई, जिस वजह से ज्यादातर खेल उसी के हाफ में हुआ और उसने मेजबान टीम को बहुत ज्यादा मौके नहीं दिए। यह आईएसएल में दोनों टीमों के बीच दूसरा मुकाबला था और आज मोहम्मडन स्पोर्टिंग ने पहली बार जीत हासिल की है जबकि बेंगलुरू एफसी ने एक मैच जीता है। इस परिणाम के साथ ही इस सीजन में दोनों टीमों के बीच मुकाबलों में पलड़ा बराबरी पर रहा।

महाराष्ट्र ने पंजाब को 70 रन से हराया

एजेंसी

वडोदरा। अर्शिन कुलकर्णी (107) के शतकीय प्रहार के बाद मुकेश चौधरी (44 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी की मदद से महाराष्ट्र ने विजय हजारे ट्राफी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पंजाब को आसानी से 70 रन से हरा दिया। कोटाम्बी स्टेडियम पर महाराष्ट्र ने पहले बल्लेबाजी करते हुये छह विकेट पर 275 रन बनाये जिसके जवाब में पंजाब की पूरी टीम 44.4 ओवरों में 205 रन बना कर पवेलियन लौट गयी। महाराष्ट्र की जीत में अर्शिन के अलावा अंकित वावने (60) और निखिल नाइक की 52 रनो की धुआंधार नाबाद पारी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। प्लेयर आफ द मैच चुने गये अर्शिन ने अपनी शतकीय पारी में 137 गेंद खेल कर 14 बार गेंद को सीमारेखा के पार पहुंचाया।

पंजाब के अर्शदीप सिंह ने 56 रन देकर तीन विकेट चटकाये जबकि नमन धीर को दो और अभिषेक शर्मा को एक विकेट मिला। चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की शुरुआत फीकी रही और रन गति बढाने के प्रयास में उनके पांच शीर्ष बल्लेबाज महज 79 रन जोड़कर पवेलियन लौट गये। अनमोल प्रीत सिंह (48) एक छोर से अपने साथियों के विकेट उखड़ते देखते रहे। हालांकि निचले क्रम में अर्शदीप ने बेखौफ बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुये महज 39 गेंदो मे तीन चौके और तीन छक्के की मदद से 49 रन बनाये मगर वह टीम की हार को टालने के लिये अपर्याप्त थे।

महिला हॉकी इंडिया लीग आईपीएल जैसा ही प्रभाव डालेगी : रानी रामपाल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी रामपाल को उम्मीद है कि महिला हॉकी इंडिया लीग (डब्ल्यूएचआईएल) युवा लड़कियों के लिए ब्रिस्बेन और उसके बाहर 2032 ओलंपिक के लिए राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मंच तैयार करेगी। हाल ही में रोहतक में साई मीडिया से बात करते हुए, रानी को लगता है कि महिला एचआईएल का पहला संस्करण महिला हॉकी को उसी तरह बढ़ाएगा जैसे महिला प्रीमियर लीग ने महिला क्रिकेट के लिए किया था। रांची में 12 से 26 जनवरी के बीच होने वाली पहली महिला हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में चार टीमें दिल्ली एसजी पाइपर्स, ओडिशा वॉरियर्स, श्राची रारह बंगाल टाइगर्स और सूरमा हॉकी क्लब शामिल हैं। रानी रामपाल पंजाब के सूरमा हॉकी क्लब की मेंटर और कोच के रूप में काम करेंगी। सहायक स्टाफ के रूप में यह उनका पहला कार्यकाल होगा। हरियाणा की 30 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, को लगता है कि एचआईएल सही समय पर आई है जब महिला हॉकी पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाई नहीं करने के बाद बदलाव की कोशिश कर रही है। रानी ने साई मीडिया से कहा, इस बार केवल चार टीमें हो सकती हैं लेकिन लीग शुरू होने में काफी समय लग गया है। इसके लिए हॉकी इंडिया की सराहना की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो और पेरिस में ओलंपिक में लगातार कांस्य पदक जीते क्योंकि इसकी नींव वर्षों पहले पुरुष हॉकी इंडिया लीग द्वारा रखी गई थी। अब महिला एचआईएल की शुरुआत के लिए धन्यवाद, हमें 2032 और 2036 ओलंपिक में कई प्रतिभाशाली युवा महिलाओं को अपनी क्षमता का प्रदर्शन करते देखने को मिलेगा। यह मंच बेहद उपयोगी साबित होगा। एचआईएल की शुरुआत 2013 में छह पुरुष टीमों के साथ हुई थी। बड़े पैमाने पर व्यावसायिक कारणों से बंद होने से पहले इसे पांच साल तक खेला गया था। इसे सात साल बाद एक अतिरिक्त महिला लीग के साथ पुनर्जीवित किया गया। महिला क्रिकेट की प्रमुखता के संदर्भ में महिला इंडियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की सफलता को याद करते हुए रानी ने आगे कहा, ÷महिला क्रिकेट के बारे में कोई भी ज्यादा नहीं जानता था, लेकिन अब आप देख रहे हैं कि यह खेल देश में इतना लोकप्रिय कैसे हो गया है। महिला आईपीएल (डब्ल्यूपीएल) के माध्यम से लोगों को इसके बारे में पता चला और उन्होंने इस खेल का अनुसरण करना शुरू कर दिया।

मलेशिया ओपन सेमीफाइनलः सात्विक-चिराग की जोड़ी को मिली हार

एजेंसी

कुआलालंपुर। भारत की विश्व नंबर 9 पुरुष युगल बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी का सफर मलेशिया ओपन 2025 के सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। खेले गए मुकाबले में उन्हें दक्षिण कोरिया की किम वोन हो और सियो सेउंग जे की जोड़ी से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

दक्षिण कोरियाई जोड़ी ने भारतीय खिलाड़ियों को दमदार प्रदर्शन के बावजूद सीधे सेटों में हराया। भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की और शुरुआती गेम में 6-11 से पिछड़ गई। कोरियाई खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत शुरुआत का फायदा उठाते हुए पहला गेम केवल 19 मिनट में 21-10 से जीत लिया।सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी दूसरे गेम में आधे समय तक 11-8 से आगे थी। हालाँकि, भारतीय अपनी बढ़त का लाभ नहीं उठा सके और

दूसरा सेट भी 15-21 से हार गए। इस तरह भारतीय जोड़ी को 21-10, 21-15 से हार का सामना करना पड़ा।इस हार के साथ सात्विक और चिराग का इस टूर्नामेंट में पहला खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। सात्विक-चिराग की जोड़ी, जो अपनी आक्रामक शैली के लिए जानी जाती है, ने टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था। हालांकि, सेमीफाइनल में दक्षिण कोरियाई जोड़ी के संयोजन और गति के आगे वे टिक नहीं सके। यह हार भारतीय जोड़ी के लिए एक सीखने का अवसर है, और उम्मीद है कि वे आगामी टूर्नामेंट में मजबूत वापसी करेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए पाकिस्तानी स्कवॉड घोषित, टीम में हुए 7 बदलाव

एजेंसी

इस्लाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए 15 सदस्यीय पाकिस्तानी टीम की घोषणा की है। चयन समिति ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली क्लीन स्वीप की हार के बाद टीम में सात बदलाव किए हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 17 जनवरी दूसरा मैच 25 जनवरी को मुल्तान में खेला जाएगा।

टीम में हुए 7 बदलावः

मोहम्मद अब्बास और नसीम शाह को वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की घरेलू श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की टेस्ट टीम से आराम दिया गया है। साथ ही आमेर जमाल और मीर हमजा को भी चयनकर्ताओं ने आराम दिया है। वहीं चोटिल सैम अयूब और खराब फॉर्म में चल रहे अब्दुल्ला शफीक के चलते टीम से बाहर हैं। जबकि विकेटकीपर

हसीबुल्लाह खान की जगह रोहेल नज़ीर को मोहम्मद रिज़वान के बैकअप के तौर पर टीम में जगह दी गई है।

इनकी हुई वापसीः

अबरार अहमद के साथ साजिद खान और बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली की स्पिन तिकड़ी की वापसी हुई है। इसके अलावा सलामी बल्लेबाज इमाम-उल-हक ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलने के बाद टीम में वापसी की है। मोहम्मद हुरैरा को भी वापस लाया गया है। ये दोनों चोटिल सैम अयूब और खराब फॉर्म में चल रहे अब्दुल्ला शफीक की जगह लेंगे। इसके अलावा, टीम में मोहम्मद अली को वापस बुलाया गया है और पहली बार तेज गेंदबाज काशिफ अली का भी चयन हुआ है।

वहीं. कप्तान शान मसूद, उप-कप्तान सऊद शकील, बाबर आजम, कामरान गुलाम, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद रिजवान, नोमान अली और सलमान अली आगा ने टेस्ट टीम में अपनी जगह बरकरार रखी है।

पीसीबी ने एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, कार्यभार प्रबंधन (वर्कलोड मैनेजमेंट) के हिस्से के रूप में आमेर जमाल, मोहम्मद अब्बास, मीर हमजा और नसीम शाह की तेज गेंदबाजी चौकड़ी को आराम दिया गया है। वहीं. वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को फिरकी में फंसाने के लिए टीम में स्पिनरों को ज्यादा मौका दिया गया है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए पाकिस्तान की टीम

शान मसूद (कप्तान), सऊद शकील (उप-कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, इमाम-उल-हक, कामरान गुलाम, काशिफ अली, खुर्रम शहजाद, मोहम्मद अली, मोहम्मद हुरैरा, मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), नोमान अली, रोहेल नज़ीर (विकेटकीपर), साजिद खान, सलमान आगा।

लैंकशायर के जरिये काउंटी क्रिकेट में वापसी करेंगे एंडरसन

एजेंसी

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन अगले सीज़न डिवीजन टू काउंटी चैंपियनशिप में वापसी कर सकते हैं। उन्होने कहा कि लैंकशायर के साथ उनकी बातचीत चल रही है। एंडरसन ने पिछले साल जुलाई में लॉर्ड्स में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ़ अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेला था। उन्होंने 21 सालों तक इंग्लैंड के लिए खेलते हुए 26.45 की औसत से 704 विकेट लिए हैं। डेली टेलीग्राफ़ के अनुसार एंडरसन ने लैंकशायर के साथ कम से कम एक फ़ाइनल सीज़न खेलने का वादा किया है। क्लब के लिये उन्होंने 2002 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया। लैंकशायर पिछले सत्र में काउंटी चैंपियनशिप शीर्ष पर नहीं रह सकी, लेकिन एंडरसन ने जून में साउथपोर्ट में नॉटिंघमशायर के खिलाफ़ अपने एकमात्र मैच में 35 रन देकर सात विकेट लेकर प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अपनी स्थायी क्षमता का प्रदर्शन किया था। उनके 2025 सत्र की शुरुआत से उपलब्ध होने की उम्मीद है, जिसमें चार से सात अप्रैल तक लैंकशायर के लिए मिडिलसेक्स के खिलाफ़ लॉर्ड्स में वापसी करेंगे। इस दौरान वह अपनी कोचिंग की भूमिका भी जारी रख सकते हैं।

मई में ज़िम्बाब्वे के खिलाफ़ एकमात्र मैच से पहले वह पांच मैचों में खेल सकते हैं। लैंकशायर का पहला घरेलू मैच चैंपियनशिप के दूसरे दौर में ओल्ड ट्रैफ़र्ड में नॉर्थेंटनशायर के खिलाफ़ होगा, जो 11 अप्रैल से शुरू होगा। एंडरसन लैंकशायर की सफ़ेद गेंद टीम में भी शामिल हो सकते हैं, हालांकि उन्होंने एक दशक से ज़्यादा समय से टी20 क्रिकेट का कोई भी प्रारूप नहीं खेला है।

श्रीलंका दौरे के लिए 100 प्रतिशत फिट हो जाऊंगा : नाथन लियोन

एजेंसी

मेलबर्न। अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई स्पिनर नाथन लियोन ने पुष्टि की है कि वह ऑस्ट्रेलिया के श्रीलंका दौरे के दौरान दो टेस्ट खेलने के लिए 100 प्रतिशत फिट होंगे। श्रीलंका दौरा 29 जनवरी से शुरू होगा। श्रीलंका दौरे के लिए दाएं हाथ के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को राष्ट्रीय टीम का अंतरिम कप्तान नियुक्त किया गया है। स्मिथ पैट कमिंस की अनुपस्थिति में टीम का नेतृत्व करेंगे, जो पितृत्व अवकाश पर हैं और हाल ही में घरेलू गर्मी के दौरान टखने की हल्की समस्या से उबर रहे हैं। युवा स्पिनर टॉड मर्फी और मैथ्यू कुह्नमैन के साथ नाथन लियोन भी टीम का हिस्सा हैं। उम्मीद है कि यह तिकड़ी श्रीलंका की टर्निंग पिचों पर अहम भूमिका निभाएगी।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान लियोन को कूल्हे में दर्द की समस्या का सामना करना पड़ा और उन्होंने 36.88 की औसत से नौ विकेट लिए। लियोन ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से कहा, यह समझाना

कठिन है; मैं चिकित्सीय दृष्टि से बहुत अच्छा नहीं हूं। यह मेरे कूल्हे में एक छोटे बर्सा [द्रव की थैली] की तरह है। मैंने इसे बढ़ा दिया और यह दर्दनाक रहा है। भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बाद मेरा स्कैन हुआ। सभी चीजें ठीक चल रही हैं, यह ठीक हो रहा है। मैंने दौड़ और जिम सत्र किया। मैं संपर्क से बचने की कोशिश कर रहा हूं। मैं 100 प्रतिशत फिट हो जाऊंगा। लियोन, जिन्होंने 2016 में कोलंबो टेस्ट के दौरान 87 ओवर फेंके थे, उन्हें टर्निंग ट्रैक की नहीं, बल्कि कुछ अच्छे क्रिकेट विकेट की उम्मीद है। उन्होंने कहा, मैंने मूल रूप से सोचा था कि यह स्पिन के अनुकूल होगा, लेकिन मुझे लगता है कि यह 2022 में दूसरे टेस्ट के समान होगा जब दिनेश चंडीमल ने 206 रन बनाए थे। यह कठिन काम होगा, लेकिन मुझे संदेह है ।

50वीं राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी चैम्पियनशिप : बालक वर्ग में हरियाणा और बालिका वर्ग में सॉई की टीम बनी चैंपियन

जेंसी

हरिद्वार। रोशनाबाद इन्डोर स्टेडियम में आयोजित 50वीं राष्ट्रीय जूनियर कबड्डी चैम्पियनशिप का रंगारंग समापन हुआ। चैंपियनशिप में बालक वर्ग में हरियाणा विजेता और उत्तराखंड उपविजेता रहे जबकि बालिका वर्ग में सॉई की टीम विजेता और हरियाणा ने रनरअप का खिताब प्राप्त किया। समापन समारोह में शेर सिंह (स्वतंत्र प्रभार निदेशक, गेल) तथा खानपुर विधायक उमेश शर्मा ने संयुक्त रूप से पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर उत्तराखण्ड कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष महेश जोशी ने बताया कि इस आयोजन की विशेषता यह रही कि जहाँ एक ओर कबड्डी में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भावी खिलाड़ियों का कौशल निखरकर सामने आया तो वहीं दूसरी ओर देश के लिए खेलने वाली नई पौध को ऊर्जा प्रदान करने हेतु भारतीय टीम के कप्तान पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्डी अजय ठाकुर, संजीव कुमार, अर्जुन अवार्डी अशोक शिंदे, तेजस्वनी बाई के साथ-साथ विख्यात अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी निरंतर आयोजन से जुड़े रहे। इस अवसर पर प्रो-कबड्डी लीग के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे जो खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर अपनी लीग से जोड़ने का प्रयास करते नजर आए। आज चतुर्थ दिवस में बहुत ही रोमांचक क्वाटर फाइनल हुए। बालक वर्ग में साई व तमिलनाडू का मैच टाई रहा जिसमें 5 रैड में साई ने विजय प्राप्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं यूपी-हरियाणा के मैच में हरियाणा ने 37-27, राजस्थान-आंध्र के मैच में राजस्थान ने 49-34 तथा उत्तराखंड-गोवा के मैच में उत्तराखंड ने 38-27 अंकों के साथ विजय प्राप्त कर सेमीफाइनल में प्रवेश लिया।

आइटा टेनिस : उप्र के आर्यन ने दिल्ली के आकाश को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। एसबीआई आइटा मेंस टेनिस प्रतियोगिता के प्रथम राउंड सिंगल के मैच 12 खेले गये। इसमें खिलाड़ियों ने खूब उत्साह दिखाए। प्रथम राउंड में उप्र के आर्यन शर्मा ने कड़े मुकाबले में दिल्ली के आकाश कुमार को मात देकर अगले राउंड में प्रवेश कर लिया। वहीं कर्नाटक के श्रेयश ने हरियाणा के मानव मलिक को सीधे मुकाबले में हरा दिया।

आशियाना के उन्नाद टेनिस एकेडमी में खेले गये मुकाबले में ठंड में खिलाड़ियों ने अगले राउंड में प्रवेश के लिए खूब पसीने बहाये। पहला मुकाबला उप्र के आर्यन शर्मा और दिल्ली के आकाश कुमार के बीच हुआ। पहले राउंड में आकाश आगे रहे। वहीं दूसरे और तीसरे राउंड में आर्यन ने अच्छा प्रदर्शन कर 4-6, 6-2, 10-4 से मुकाबला जीत लिया। वहीं दूसरे मुकाबले में कर्नाटक राहुल ने उप्र के रोहिन राज को 6-2, 7-5 से मात दे दी। तीसरे मुकाबले में टक्कर में हराया। वहीं महाराष्ट्र के संकल्प पवार ने महाराष्ट्र के ही रूषिकेश को कड़ी टक्कर में 6-0, 4-6, 10-6 से मात दे दी। उप्र के

कर्नाटक के श्रेयस ने हरियाणा के मानव मलिक को 6-3, 6-4 से हरा दिया।तीसरे मुकाबले में महाराष्ट्र के पार्थ ने दिल्ली के रोहन को कड़ी अनुरोध कुमार ने महाराष्ट्र के अमृत को सीधे मुकाबले में हरा दिया, वहीं महाराष्ट्र के आदित्य ने दिल्ली के सुमित को हरा दिया।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीगः त्सेवान चुस्कित की हैट्रिक ने चांगला लामोस को फाइनल में पहुंचाया

एजेंसी

लेह। चांगला लामोस ने रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 में शैम ईगल्स को 6-3 से हराते हुए महिला फाइनल में जगह बनाई, जिसमें राष्ट्रीय टीम की स्टार त्सेवान चुस्कित की शानदार हैट्रिक शामिल रही। अब उनका मुकाबला 12 जनवरी को मौजूदा चैंपियन मरीयुल स्पामो से होगा। पुरुष वर्ग में डिफेंडिंग चैंपियंस कांग सिंग्स ने पुरीग वॉरियर्स को 2-0 से हराया, और चांगथांग शांस ने हमास वॉरियर्स को 3-0 से मात दी।

कांग सिंग्स ने पुरीग वॉरियर्स को हराकर फाइनल में जगह बनाई

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 के पहले पुरुष सेमीफाइनल में गत विजेता कांग सिंग्स ने एक मजबूत प्रदर्शन करते हुए क़ारगिल की पुरीग वॉरियर्स को 2-0 से हराया। मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर थी, लेकिन मजबूत रक्षा पंक्ति ने पहले दौर में कोई गोल नहीं होने दिया। कांग सिंग्स ने 26वें मिनट में त्सेरिंग आंगचोक के शानदार रिस्ट शॉट से बढ़त बनाई, जिसे स्टांजिन आंगचोक ने सहारा दिया। नौ मिनट बाद, स्टांजिन लोतोस ने एक और रिस्ट शॉट से कांग सिंग्स की बढ़त को 2-0 कर दिया। अंतिम दौर में, वॉरियर्स ने कुछ मौके बनाए, लेकिन कांग सिंग्स की रक्षा ने उन्हें गोल करने से रोक लिया। कांग सिंग्स ने 2-0 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरे साल फाइनल में जगह बनाई।दूसरे सेमीफाइनल में, चांगथांग शांस ने एक शानदार प्रदर्शन करते हुए हमास वॉरियर्स को 3-0 से हराया और लगातार दूसरे साल रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन 2 के फाइनल में पहुंच गए। शांस ने 3वें मिनट में कांछोक नामग्याल के गोल से बढ़त बनाई, जिसे त्सेवान डोरजे ने सहारा दिया। इसके बाद, कप्तान चमबा त्सेतन ने सिर्फ दो मिनट में एक और गोल कर दिया और शांस की बढ़त 2-0 कर दी। हालांकि, वॉरियर्स ने कुछ अच्छे मौके बनाए, लेकिन शांस के गोलकीपर

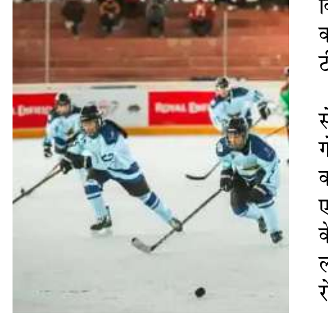

त्सेतन नामग्याल ने शानदार बचाव किया। दूसरे दौर में, दोनों टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा हुई, लेकिन कोई भी टीम गोल नहीं कर पाई।

अंतिम दौर में, समय समाप्त होने से पहले, चमबा त्सेतन ने एक और गोल किया और अपनी टीम को 3-0 की शानदार जीत दिलाई। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग सीजन-2 के आखिरी सेमीफाइनल में चांगला लामोस और शैम ईगल्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला हुआ। मैच की शुरुआत में ही शैम ईगल्स ने लबजंग पालमो के गोल से 35 सेकंड के भीतर बढ़त बनाई। इसके तुरंत बाद, चांगला लामोस ने कप्तान त्सेवान चुस्कित के गोल से बराबरी की। 6वें मिनट में रिग्जेन अंगमो ने शैम ईगल्स के लिए एक और गोल किया, लेकिन चांगला लामोस ने फिर से जवाब दिया और 7वें मिनट में डिस्केट अंगमो का गोल हुआ, जिससे पहले दौर का स्कोर 2-2 रहा। दूसरे दौर में, चांगला लामोस ने आक्रामक खेल दिखाया और कप्तान त्सेवान चुस्कित ने 30वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर दिया, जिससे उनकी टीम को 3-2 की बढ़त मिली। इसके बाद, पदमा चुस्कित और त्सेवान चुस्कित ने 32वें और 34वें मिनट में गोल किए, जिससे स्कोर 5-2 हो गया। त्सेवान ने फिर अपनी हैट्रिक पूरी की और चांगला लामोस को एक मजबूत 6-3 की जीत दिलाई। इस जीत के साथ, चांगला लामोस महिला फाइनल में जगह बनाने में सफल रही।

भारतीय दूतावास अधिकारियों को निर्यात बढ़ाने को विशिष्ट बाजार अवसरों पर काम करने का सुझाव

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य मंत्रालय ने 20 देशों में भारतीय दूतावासों की वाणिज्यिक शाखाओं से भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए छह वस्तुओं व सेवाओं में बाजार अवसरों की विशेष रूप से पहचान करने को कहा है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंत्रालय तथा भारतीय दूतावासों की वाणिज्यिक शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के बीच तीन दिवसीय बैठक के दौरान निर्यात बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई। यह बैठक आठ जनवरी को संपन्न हुई।

अधिकारी ने बताया कि भारतीय दूतावासों से इन छह क्षेत्रों, प्रतिस्पर्धियों और विशिष्ट कंपनियों में अवसरों का विपणन करने को कहा गया है। यह बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि वाणिज्य मंत्रालय, इंजीनियरिंग सामान तथा इलेक्ट्रॉनिक्स सहित छह प्रमुख उत्पाद श्रेणियों के निर्यात को 20 प्रमुख देशों में बढ़ाने के लिए रणनीति तैयार करने की प्रक्रिया में है। इन देशों में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, चीन, रूस, ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और इंडोनेशिया शामिल हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ के देशों सहित ये देश भारत के कुल निर्यात का एक बड़ा हिस्सा हैं। भारत का निर्यात अक्टूबर, 2024 में दोहरे अंक की वृद्धि दर्ज करने के बाद नवंबर, 2024 में सालाना आधार पर 4.85 प्रतिशत घटकर 32.11 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-नवंबर के दौरान निर्यात 2.17 प्रतिशत बढ़कर 284.31 अरब डॉलर और आयात 8.35 प्रतिशत बढ़कर 486.73 अरब डॉलर रहा है। सेवाओं का निर्यात अक्टूबर, 2024 में सालाना आधार पर 22.3 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 34.31 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।

एफआईआई की निकासी जारी रहने से सेंसेक्स 528 अंक लुढ़का, निफ्टी भी नुकसान में

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला लगातार दूसरे दिन भी जारी रहा और प्रमुख मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 528 अंक लुढ़क गया। वहीं एनएसई का निफ्टी 162 अंक के नुकसान में रहा। कारोबारियों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी जारी रहने के बीच एचडीएफसी बैंक, टीसीएस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से बाजार नीचे आया। निवेशक कंपनियों के तिमाही परिणाम को लेकर असमंजस में हैं, जिससे बिकवाली तेज हुई। इसके अलावा, चीन में बेहद कम मुद्रास्फीति का आंकड़ा खराब मांग का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का दिसंबर तिमाही का परिणाम बाजार बंद होने के बाद आया। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 528.28 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 78,000 अंक के स्तर से नीचे 77,620.21 अंक पर आ गया। कारोबार के दौरान, एक समय यह 605.57 अंक तक टूट गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 162.45 अंक यानी 0.69 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,526.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के तीस शेयरों में से टाटा स्टील, जोमैटो, लॉर्सन एंड टुब्रो, टाटा मोटर्स, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचडीएफसी बैंक और एनटीपीसी प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में नेस्ले, हिंदुस्तान यूनिलीवर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स और भारती एयरटेल शामिल हैं।

टीसीएस का दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ 11.95 प्रतिशत बढ़कर 12,380 करोड़ रुपये पर

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11.95 प्रतिशत बढ़कर 12,380 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी ने 11,058 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। टीसीएस ने बयान में कहा, समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय 6.13 प्रतिशत बढ़कर 65,216 करोड़ रुपये हो गई, जो अक्टूबर-दिसंबर, 2023 में 61,445 करोड़ रुपये थी। कुल व्यय सालाना आधार पर 45,658 करोड़ रुपये से 6.33 प्रतिशत बढ़कर 48,550 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने साथ ही बताया, दिसंबर तिमाही के अंत में उसके कर्मचारियों की संख्या 5,000 से अधिक घटकर 6,07,354 रह गई।

बीते साल 40 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के 59 घर बिके : रिपोर्ट

नई दिल्ली। अल्ट्रा लक्जरी यानी बेहद आलीशान घरों की मांग 2024 में रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गई है। संपत्ति परामर्श कंपनी एनारॉक ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी देते हुए कहा कि इसमें शीर्ष सात प्राथमिक और द्वितीयक आवास बाजारों में 59 घरों की बिक्री 4,754 करोड़ रुपये की कीमत पर हुई है। 'अल्ट्रा-लक्जरी' या अत्याधुनिक सुविधाओं वाले घरों की कीमत 40 करोड़ रुपये से अधिक होती है।

एनारॉक के आंकड़ों से पता चलता है कि बढ़ती कीमतों के बावजूद आलीशान घरों की बिक्री में 2024 में तेजी जारी रही। एनारॉक सात प्रमुख शहरों - दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे, चेन्नई और कोलकाता में रियल एस्टेट गतिविधियों पर नजर रखती है। इसमें कहा गया है कि ऐसी परिसंपत्तियों की बिक्री संख्या और बिक्री मूल्य नए शिखर पर पहुंच गए। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, ÷कुल मिलाकर, 2024 में प्रमुख सात शहरों में 59 अल्ट्रा-लक्जरी घर बेचे गए,

चेन्नई में सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी की लैपटाप विनिर्माण इकाई चालू

एजेंसी

चेन्नई। सिरमा एसजीएस टेक्नोलॉजी की सालाना एक लाख लैपटाप विनिर्माण क्षमता की यहां स्थापित अत्याधुनिक लैपटॉप असेंबली लाइन शुरू कर दी गयी है। यह परियोजना लैपटॉप और मोबाइल क्षेत्र के लिये उत्पादन आधारित प्रोत्साहन पीएलआई 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में से एक है।

इसे देश में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में देखा जा रहा है। जारी एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार मद्रास निर्यात प्रोसेसिंग जोन (एमईपीजेड) में स्थित इस कारखाने का केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे और सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कल उद्घाटन इसकी निर्माण क्षमता एक-दो साल में 10 लाख लैपटाप तैयार करने की हो जायेगी। सिरमा एसजीएस वर्तमान में चेन्नई में चार विनिर्माण इकाइयों का संचालन करती है, जिसकी यूनिट तीन में अब लैपटॉप उत्पादन शुरू हो गया है। श्री वैष्णव ने इस अवसर पर कहा, हमें यह सुनिश्चित करने के लिये सावधानीपूर्वक काम करना चाहिये कि आने वाले समय में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के हिस्से-पुर्जे बनाने का पारिस्थिकी तंत्र भी भी विकसित हो। उन्होंने कहा कि इससे न केवल भारत के लिये एक बड़ी विकास कहानी को आगे बढ़ायेगा, बल्कि ये आत्मनिर्भर भारत के हमारे विजन के अनुरूप भी होगा। सिरमा एसजीएस ने उच्च गुणवत्ता वाले लैपटॉप के निर्माण के लिये ताइवान की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रो-स्टार इंटरनेशनल (एमएसआई) के साथ साझेदारी की है, जो घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगी। इस सुविधा से वित्त वर्ष 26 तक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में 150-200 विशेष नौकरियों के सृजित होने का अनुमान है, जिससे तमिलनाडु की क्षेत्रीय और भारत की राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था दोनों पर काफी असर पड़ेगा। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसमें विनिर्मित लैपटॉप अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करेंगे तथा भारत की उभरती तकनीकी और विनिर्माण क्षमता को प्रदर्शित करेंगे। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र में तेजी से बढ़ रहा है। इस क्षेत्र का उत्पादन 2014 में 2.4 लाख करोड़ रुपये के बराबर था जो बढ़कर 2024 में 9.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

देश में अकेले मोबाइल विनिर्माण सालाना 4.4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इस समय भारत में उपयोग किये जाने वाले 98 प्रतिशत मोबाइल फोन अब भारत में निर्मित किये जा रहे हैं और स्मार्टफोन भारत से निर्यात की जाने वाली चौथी सबसे बड़ी वस्तु बन गयी है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे।तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 3.58 प्रतिशत उबलकर 76.57 डॉलर प्रति

बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 79.79 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। देश के चार महानगरों में पेट्रोल और डीजल की कीमत इस प्रकार रही।

सर्राफा बाजार में तेजी से महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख बना हुआ है। सोना आज 250 रुपये से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक उछल गया है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 1 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 93,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520

रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पीएलआई, सब्सिडी स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास के लिए हानिकारक

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि उत्पाद से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) और सब्सिडी देना स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र के दीर्घकालिक विकास और वृद्धि के लिए हानिकारक हैं। श्री गोयल ने कहा कि पीएलआई योजना केवल इस क्षेत्र को गति देने में मदद कर सकती है, लेकिन स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र को आत्म-निर्भर बनने का प्रयास करना चाहिए और स्वच्छ प्रौद्योगिकी क्षेत्र को सरकार से स्वतंत्र होना चाहिए।

केन्द्रीय मंत्री ने यहां शुक्रवार को भारत जलवायु फोरम 2025 में भारत क्लीनटेक विनिर्माण प्लेटफॉर्म के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। यह पहल सौर, पवन, हाइड्रोजन और बैटरी भंडारण क्षेत्रों में भारत की स्वच्छ प्रौद्योगिकी मूल्य श्रृंखलाओं को बढ़ाने के लिए तैयार की गई है। श्री गोयल ने विनिर्माताओं से नवोन्मेषी तरीके से सोचें और देश में विनिर्माण का पैमाना बढ़ाएं। उन्होंने कहा कि भारत स्वच्छ प्रौद्योगिकी विनिर्माण प्लेटफॉर्म के शुभारंभाभा से

भारतीय फर्मों को सहयोग करने, सह-नवाचार करने का अवसर मिलेगा तथा वित्तपोषण, विचारों, प्रौद्योगिकियों और संसाधनों को साझा करने हेतु एक मंच प्रदान करने में सहायता मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री ने आशा व्यक्त की कि इस फोरम में शामिल इकाइयां देश में 2030 तक पांच लाख मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा की उत्पादन क्षमता स्थापित करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने में सक्षम होंगे। उन्होंने सूचित किया कि दो लाख मेगावाट स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित करने की उपलब्धि हासिल करने के बाद, हम अब 20230 तक पांच लाख मेगावाट स?वच?छ ऊर्जा हासिल करने के लिए अच्छी तरह तैयार हैं। श्री गोयल ने कहा कि भारत के पास विश्व का सबसे बड़ा इंटरकनेक्टेड ग्रिड है।

शक्कर मजबूत, खाद्य तेलों में तेजी, दलहनों में नरमी, दाल- चावल यथावत

एजेंसी

इंदौर। सियागंज किराना बाजार में शक्कर में तेजी बताई गई। खाद्य तेलों में मांग के साथ दिसावरी बाजार ऊंचे होने से भाव तेजी लिए रहे। तिलहनों में रिफाइनरी प्लांटों की लिवाली रही। दलहनों में नरमी रही। आज तुअर सस्ती बिकी। दालों में मांग रही। चावल में कामकाज सामान्य बताया गया।

किराना बाजार

सियागंज किराना बाजार में शक्कर में पूछपरख रही। आज शक्कर में चार गाड़ी की आवक हुई। खोपरा गोला दिसावर के साथ ऊंचा होकर बिका। खोपरा बूरा तथा हल्दी में मांग रही।

तेल-तिलहनः खाद्य तेलों में लिवाली से सोयाबीन रिफाइंड के भाव में तेजी हुई। तिलहन में उठाव से सोयाबीन में मजबूती दर्ज की गई। सरसों तथा सोयाबीन में पूछपरख सुधार लिए बताई गई।

दाल-दलहनः संयोगितागंज अनाज मंडी में दलहन जिन्सों में कामकाज नरमी लिए बताया गया। आज तुअर 300 रुपये सस्ती होकर बिकी। दाल तथा चावल में लिवाली से भाव स्थिरता लिए बताए गए।

अगले सप्ताह 5 नए आईपीओ की लॉन्चिंग, 8 कंपनियों के शेयर की होगी लिस्टिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। सोमवार से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान कम से कम पांच कंपनियों के आईपीओ लॉन्च होने वाले हैं। इनमें एक कंपनी लक्ष्मी डेंटल का आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट का है, जबकि शेष 4 आईपीओ एसएमई सेगमेंट के हैं। इन पांचों आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह लॉन्च हुए 2 आईपीओ में भी इस सप्ताह बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ लॉन्चिंग के अलावा 8 कंपनियों के शेयर अगले सप्ताह स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाले हैं। अगले सप्ताह के पहले कारोबारी दिन 13 जनवरी को ही लक्ष्मी डेंटल का 698 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने वाला है। इस इश्यू की क्लोजिंग 15 जनवरी को होगी। आईपीओ के तहत 407 से 428 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, वहीं लॉट साइज 33 शेयर का है। कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 20 जनवरी को बीएसई और एनएसई पर होगी।

सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार 15 जनवरी को काबरा ज्वेलर्स का 40 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस आईपीओ में 17 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 121 से 128 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। आवेदक 1,000 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 22 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसी दिन ऋखब सिक्योरिटीज का 88.82 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो रहा है। इस इश्यू की क्लोजिंग 17 जनवरी को होगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 82 से 86 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ में आवेदक 1,600 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 22 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

गुरुवार 16 जनवरी को लैंड इमीग्रेशन लिमिटेड का 40.3 2 करोड रुपये साइज का पब्लिक इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन हो रहा है। ये इश्यू अगले सप्ताह 20 जनवरी को क्लोज होगा। आईपीओ के तहत बोली लगाने के लिए 70 से 72 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ में आवेदक 1,600 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 23 जनवरी को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

इसके अलावा सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 17 जनवरी को ईएमए पार्टनर्स लिमिटेड का 76.01 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल रहा है। इस आईपीओ में अगले सप्ताह 21 जनवरी तक बोली लगाई जा सकेगी।

आईपीओ में बोली लगाने के लिए 117 से 124 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। इस आईपीओ में आवेदक 1,000 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 22 जनवरी को एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था इस वर्ष थोड़ी कमजोर पड़ेगी : आईएमएफ प्रमुख

एजेंसी

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने वर्ष 2025 में भारत की अर्थव्यवस्था के थोड़े कमज़ोर होने का अनुमान व्यक्त किया है।

सुश्री जॉर्जीवा ने वर्ष के प्रारंभ में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था थोड़ी कमज़ोर होगी। हालाँकि, उन्होंने इस बारे में कोई व्याख्या नहीं दी तथा कुछ और नहीं कहा। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के सांख्यिकी विभाग ने इसी सप्ताह मंगलवार को अप्रैल-मार्च 2024-25 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बारे में अपने पहले अग्रिम अनुमान में वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 8.2 प्रतिशत की तुलना में कम है। संयुक्त राष्ट्र की इसी सप्ताह जारी

एक रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था में निवेश, उत्पादकता और मांग के समक्ष चुनौतियों का उल्लेख करते हुए वैश्विक जीडीपी 2025 में पिछले साल के बराबर 2.8 प्रतिशत तथा भारत की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया है।आईएमएफ प्रबंध निदेशक ने संवाददाताओं से कहा, ÷अमेरिका हमारी उम्मीद से काफ़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहा है, यूरोपीय संघ कुछ हद तक रुका हुआ है और भारत थोड़ा कमज़ोर है।

भारत की अर्थव्यवस्था के कमज़ोर होने की संभावना के बावजूद सुश्री जॉर्जीवा को उम्मीद है कि इस साल वैश्विक वृद्धि दर (पिछले स्तर पर) स्थिर बनी रहेगी, हालाँकि उन्होंने संभावित क्षेत्रीय असमानताओं के बारे में भी चेतावनी दी।सुश्री जॉर्जीवा ने अन्य देशों के सामने आ रही आर्थिक चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि ब्राजील थोड़ी अधिक मुद्रास्फीति से निपट रहा है, जबकि दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन अपस्फीति दबाव और लगातार घरेलू मांग के मुद्दों का सामना कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी, ÷कम आय वाले देश, उनके द्वारा किए जा रहे सभी प्रयासों के बावजूद, ऐसी स्थिति में हैं जहां कोई भी नया झटका उन पर काफी नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आईएमएफ प्रमुख का अनुमान है कि वर्ष 2025 में को वैश्विक अवस्फीति जारी रहेगी। उन्होंने यह भी कहा कि मुद्रास्फीति से लड़ने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली उच्च ब्याज दर की नीति ने विश्व अर्थव्यवस्था को मंदी में नहीं डाला है, इसने बल्कि वांछित परिणाम दिए हैं। उन्होंने कहा,÷उभरते बाजारों की तुलना में उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में उपभोक्ताओं संबंधी मुद्रास्फीति तेजी से घट कर लक्ष्य की ओर आ रही है।

एआईजी हॉस्पिटल्स बोर्ड ने दी मशीन खरीदने की मंजूरी, 800 करोड़ का करेगा निवेश

एजेंसी

हैदराबाद। एआईजी हॉस्पिटल्स ने कहा है कि उसके बोर्ड ने प्रोटॉन बीम उपचार मशीन खरीदने की मंजूरी दे दी है और बोर्ड अस्पताल में नए ऑन्कोलोजी सेंटर में 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। एआईजी हॉस्पिटल्स ने एक विज्ञप्ति में कहा है कि वह यहां अपने अस्पताल में नए ऑन्कोलॉजी सेंटर में 800 करोड़ रुपये का निवेश करेगा, जिससे यह देश का तीसरा प्रोटॉन थेरेपी सेंटर बन जाएगा और तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के जुड़वां तेलुगु राज्यों में पहला होगा। कंपनी ने कैंसर की प्रोटॉन थेरेपी के क्षेत्र में उपकरणों और सेवाओं की विश्व की सबसे प्रतिष्ठित आपूर्तिकर्ताओं में गिनी जाने वाली बेल्जियम की आईबीए से डायनेमिक एआरसी0 सहित अत्याधुनिक प्रोटियस0 वन प्रोटॉन थेरेपी सिस्टम खरीदने का एक समझौता किया है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह प्रोटान विकिरण प्रणाली नई डिलीवरी तकनीक के साथ दक्षिण-पूर्व एशिया में स्थापित अपनी तरह की पहली प्रणाली होगी। अस्पताल कंपनी के अनुसार प्रोटॉन बीम थेरेपी रेडिएशन थेरेपी का एक अत्यधिक सटीक रूप है जो असाधारण सटीकता के साथ ट्यूमर को लक्षित करता है, जिससे आसपास के स्वस्थ ऊतकों को होने वाले नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। आईजी हॉस्पिटल्स के अध्यक्ष डॉ. डी नागेश्वर रेड्डी ने कहा, प्रोटियस0वन प्रोटॉन थेरेपी सिस्टम हमारे नए 300 बिस्तरों वाले समर्पित ऑन्कोलॉजी सेंटर का हिस्सा होगा, जो मौजूदा गचीबोवली परिसर में बनेगा, जिससे दुनिया में सर्वश्रेष्ठ के बराबर व्यापक कैंसर देखभाल संभव होगी।

आईओसी, बीपीसीएल, एचपीसीएल को 35,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी दे सकती है सरकार

नई दिल्ली। सरकार सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लि. (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (एचपीसीएल) को 35,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी दे सकती है। यह सब्सिडी इस वित्त वर्ष में ईंधन बेचने पर हुए नुकसान की भरपाई के लिए दिये जाने की संभावना है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। तीन ईंधन खुदरा विक्रेताओं ने कच्चे माल की लागत में वृद्धि के बावजूद मार्च, 2024 से घरेलू एलपीजी की कीमत 803 रुपये प्रति 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर अपरिवर्तित रखी है। इससे एलपीजी यानी रसोई गैस की बिक्री पर उन्हें नुकसान हुआ है और अप्रैल-सितंबर (चालू 2024-25 वित्त वर्ष की पहली छमाही) में उनकी कमाई में कमी आई है। मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने बताया कि चालू वित्त वर्ष में उद्योग के लिए एलपीजी बिक्री पर कुल 'अंडर-रिकवरी' यानी नुकसान लगभग 40,500 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके एवज में सरकार दो वित्त वर्षों के लिए कुल मिलाकर 35,000 करोड़ रुपये उपलब्ध करा सकती है। उन्होंने कहा कि आईओसी, बीपीसीएल और एचपीसीएल को चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 10,000 करोड़ रुपये और शेष 25,000 करोड़ रुपये अगले वित्त वर्ष में मिलने की संभावना है।

पूरे सप्ताह सेलर बने रहे विदेशी निवेशक, 5 दिन में की 16,854 करोड़ की बिकवाली

एजेंसी

नई दिल्ली। खत्म हुए कारोबारी सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) एक बार फिर शुद्ध बिकवाल (नेट सेलर) की भूमिका निभाते नजर आए। इस सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में 16,854.25 करोड़ रुपये की बिकवाली की। दूसरी ओर, बाजार को सपोर्ट देने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लगातार खरीदारी करते रहे। बाजार को सपोर्ट करने के लिए घरेलू संस्थागत निवेशकों ने इस सप्ताह कुल 21,682.76 करोड़ रुपये की खरीदारी की।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रोविजनल डेटा के अनुसार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन ही विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 12,352 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची, वहीं 10,097 करोड़ रुपये की इक्विटी की खरीदारी की। इस तरह

खरीद बिक्री मिलाकर विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 2,255 करोड़ रुपये की नेट सेलिंग की। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 10,332 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, वहीं 14,294 करोड़ रुपये के शेयरों की खरीदारी की। इस तरह घरेलू संस्थागत निवेशकों ने सिर्फ एक दिन के कारोबार में ही 3,962 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

मार्केट एक्सपर्ट्स के मुताबिक तीसरी तिमाही के नतीजे को लेकर बनी आशंका की वजह से मार्केट सेंटीमेंट्स लगातार निगेटिव बने हुए हैं, जिसकी वजह से बाजार पर लगातार दबाव बढ़ता जा रहा है। धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का मानना है कि विशेष रूप से ब्रॉडर मार्केट में कंपनियों के हाई वैल्यूएशन की वजह से कंसोलिडेशन का दबाव बना है। इसके साथ ही वैश्विक बाजार में प्रतिकूल परिस्थितियां बन जाने की वजह से भी विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बिकवाली तेज कर दी है। इसके अलावा डॉलर इंडेक्स की मजबूती और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में तेजी आने के कारण भी निवेशकों की चाल में बदलाव आया है।

धामी का मानना है कि बाजार के लिए आईटी सेक्टर से उम्मीद की किरण नजर आ रही है। टीसीएस के शानदार रिजल्ट से उम्मीद बनी है कि आईटी सेक्टर के लिए तीसरी तिमाही के नतीजे सकारात्मक संकेत देने वाले होंगे। अगर आईटी सेक्टर से बाजार को ढंग से सपोर्ट मिला, तो बाजार पर छाए नेगेटिव सेंटीमेंट्स को हटाने में भी मदद मिलेगी।

काठमांडू से हांगकांग के लिए उड़े कैथे पैसिफिक विमान के यात्री फूड प्वाइजनिंग के शिकार

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू से हांगकांग के लिए उड़ान भरने वाले कैथे पैसिफिक के विमान में सवार अधिकतर यात्रियों को फूड प्वाइजनिंग होने के बाद सभी को हांगकांग के अस्पताल में भर्ती किया गया। अधिकारियों के मुताबिक 9 बजे काठमांडू के त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से उड़ान संख्या सीएक्स 640 एमई में सवार अधिकांश यात्रियों के बीमार पड़ने के कारण उन्हें विमानस्थल से सीधे अस्पताल पहुंचाया गया है। इस विमान में सवार 36 नेपाली नागरिक भी इस समय हांगकांग के अस्पताल में भर्ती कराए गए हैं। हांगकांग की यात्रा पर गए नेपाली यात्रियों ने काठमांडू में अपने परिवार वालों को इस बारे में जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि यात्रियों ने विमान में परोसे गए भोजन की वजह से पेट दर्द, दस्त और उल्टियां होने की शिकायत की। हांगकांग के स्थानीय समयानुसार शनिवार सुबह पौने चार बजे विमान लैंड करते ही बीमार हुए यात्रियों को एंबुलेंस से पास के राफेल अस्पताल पहुंचाया गया। डाक्टरों ने सभी यात्रियों को फूड प्वाइजनिंग होने की पुष्टि की है। इसी बीच कैथे पैसिफिक एयरलाइंस ने एक बयान में विमान के भोजन से फूड प्वाइजनिंग होने पर माफी मांगी है। एयरलाइंस कंपनी ने इस मामले की जांच शुरू करने की बात भी कही है।

उत्तर गाजा में विस्फोट में 4 इजरायली सैनिक की मौत

यरूशलम। उत्तरी गाजा पट्टी में चार इजराइली सैनिक मारे गए। इजरायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में यह जानकारी दी। इजरायल के सरकारी स्वामित्व वाले 'कान टीवी न्यूज' ने बताया कि बेत हनौन शहर में एक सैन्य वाहन में सवार होने के दौरान विस्फोटक उपकरण से नाहल ब्रिगेड के तीन लड़ाके और एक सैन्य चालक की मौत हो गई। सेना के मुताबिक घटना में ब्रिगेड का एक अधिकारी और एक जवान भी गंभीर रूप से घायल हो गए। कान ने कहा कि घटना तब हुई जब बारिश हो रही थी और दृश्यता अपेक्षाकृत सीमित थी। आईडीएफ इस बात की जांच कर रहा है कि क्या आतंकवादियों ने एक साथ लड़ाकों पर गोलीबारी की थी। चैनल ने उल्लेख किया कि आईडीएफ बल लगभग दो सप्ताह से बीट हनौन क्षेत्र में काम कर रहे हैं और अनुमान है कि ये गतिविधियां मुख्य रूप से आतंकवादियों और भूमिगत सुरंगों का पता लगाने के लिए है तथा कुछ हफ्तों के भीतर पूरी हो जाएंगी।

लॉस एंजिल्स जंगल की आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हुयी

लॉस एंजिल्स। कैलिफोर्निया के जंगल की आग से मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। 'एनबीसी' न्यूज ने सरकारी आंकड़ों का हवाला देते हुए यह जानकारी दी। इससे पहले मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन ने कहा कि लॉस एंजिल्स की आग

से मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि कई लोग लापता हैं। कैलिफ़ोर्निया में मंगलवार से कई बार जंगल की आग लगी है, जिसके कारण हज़ारों लोगों को पलायन करना पड़ा है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक आग तेजी से फैलने का कारण शुष्क और बहुत तेज़ हवा वाला मौसम था। आग से क्षेत्र की 10 हजार से अधिक इमारतें नष्ट हो गयी है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने तड़के कहा कि कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड निकासी क्षेत्र में लूटपाट को रोकने के लिए लॉस एंजिल्स पहुंचे गये है।

अल बायदा गवर्नरेट में गैस स्टेशन पर विस्फोट में 7 की मौत

अदन। मध्य यमन के अल बायदा गवर्नरेट में एक गैस स्टेशन पर विस्फोट में सात लोगों की मौत हो गई और 65 घायल हो गए। मीडिया रिपोर्ट में क्षेत्र के प्रशासन के हवाले से यह जानकारी दी गयी। सूत्रों ने कहा, ÷विस्फोट अल बायदा गवर्नरेट के उत्तर में एन नसीफ क्षेत्र में एक गैस स्टेशन पर हुआ। इसके परिणामस्वरूप लगी भीषण आग में सात लोगों की मौत हो गई और 65 घायल हो गए, जिनमें से 15 की हालत गंभीर है। सूत्रों के मुताबिक, विस्फोट में 20 से ज्यादा

कारें क्षतिग्रस्त हो गईं। सुरक्षा बलों ने घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। अल बायदा गवर्नरेट हाल ही में उत्तरी यमन पर शासन करने वाले शिया आंदोलन अंसार अल्लाह (हूती) के पक्ष के सैनिकों और उनका विरोध करने वाले सशस्त्र समूहों के बीच संघर्ष का स्थान रहा है।

बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ कट्टरपंथी हमलों को राजनीतिक बताकर यूनुस सरकार ने पल्ला झाड़ा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में लगातार हिंसा और कट्टरपंथी बर्बरता का सामना कर रहे हिंदू सहित दूसरे अल्पसंख्यक समुदाय को लेकर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का पूर्वाग्रह भरा रवैया सामने आया है। ऐसे हमलों को रोकने में अपनी विफलता पर पर्दा डालते हुए बांग्लादेश सरकार ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ हुए ज्यादातर हमलों को राजनीतिक करार दिया है। सरकार का कहना है कि हिंसा की कुछेक घटनाएं ही सांप्रदायिक थीं। 5 अगस्त को शेख हसीना सरकार के पतन के बाद से लगातार हिंदू आबादी के खिलाफ कट्टरपंथियों की हिंसक मुहिम को लेकर दुनिया भर में आलोचना का सामना कर रही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने दावा किया है कि हिंसा की कुछ घटनाएं ही सांप्रदायिक थीं, जबकि ज्यादातर मामले राजनीतिक थे।बांग्लादेश ट्रिब्यून के मुताबिक बांग्लादेश सरकार ने पुलिस जांच

रिपोर्ट का हवाला देते हुए दावा किया कि 4 अगस्त के बाद से हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों पर हमले और बर्बरता की अधिकांश घटनाएं राजनीतिक थी और कुछ ही घटनाएं सांप्रदायिक थीं। पुलिस ने सांप्रदायिक हिंसा की शिकायतें सीधे प्राप्त करने और अल्पसंख्यक समुदाय के साथ संपर्क बनाए रखने के लिए व्हाट्सएप नंबर जारी किया है। अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की प्रेस विंग की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि पुलिस ने यह जांच बांग्लादेश हिंदू बौद्ध ईसाई एकता परिषद के इस दावे के बाद की कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को देश छोड़कर चले जाने से इस साल 8 जनवरी तक सांप्रदायिक हिंसा की 2,010 घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। इन घटनाओं में से 1,769 हमले और तोड़फोड़ से जुड़ी हुई थीं। पुलिस ने दावों के आधार पर अब तक कुल 62 मामले दर्ज किए और 35 आरोपितों को गिरफ्तार किया। बयान में दावा किया गया है कि जांच में पाया गया कि ज्यादातर मामलों में हमले सांप्रदायिक प्रकृति के नहीं थे बल्कि राजनीति से प्रेरित थे। पुलिस की जांच से पता चला कि 1,234 घटनाएं 'राजनीतिक प्रकृति की थीं', 20 घटनाएं सांप्रदायिक थीं और कम से कम 161 दावे झूठे या फर्जी थे। उल्लेखनीय है कि शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यक समुदाय के इलाकों, धार्मिक स्थलों पर लगातार हिंसक हमले होते रहे हैं और इन हमलों में कई लोगों को जान भी गई है। खास तौर पर हिंदू आबादी को कट्टरपंथियों ने निशाना बनाया और कई मंदिरों को नुकसान पहुंचाया गया।

कोलंबिया में विमान दुर्घटना में 10 लोगों की मौत

एजेंसी

बोगोटा। दक्षिणी अमेरिकी देश कोलंबिया में एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से 10 लोगों की मौत हो गई है। विमानन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। पैसिफिक ट्रैवल द्वारा संचालित यह विमान जुराडो से मेडेलिन के रास्ते में लापता हो गया था। विमान का मलबा एंटिओक्विया के उत्तर-पश्चिमी कोलंबियाई विभाग के उर्राव के एक ग्रामीण इलाके में मिला। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विमान में चालक दल के दो सदस्य और आठ यात्री सवार थे। एंटिओक्विया के जोखिम प्रबंधन विभाग के निदेशक कार्लोस रियोस पुएर्टा ने कहा कि दुर्भाग्य से विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा है। हमारे पास साइट पर 37 कर्मी काम कर रहे हैं। हम दूसरे चरण में तेजी ला रहे हैं, जिसमें शवों को बरामद करना और न्यायिक पुलिस के साथ समन्वय करना शामिल है। मौसम की प्रतिकूल स्थिति की वजह से रिकवरी प्रक्रिया आसान नहीं हो रही। हालांकि कोशिश जारी है कि रिकवरी प्रक्रिया यथासंभव तेज और सकुशल सम्पन्न हो। पैसिफिक ट्रैवल ने बयान जारी कर पीड़ित परिवारों को समर्थन देने की प्रतिबद्धता दोहराई है।

उसने कहा कि हम हर समय उनके साथ रहेंगे, सहायता प्रदान करेंगे और इस दुखद घटना से उत्पन्न होने वाली हर जरूरत को पूरा करेंगे। वहीं, परिवहन मंत्रालय और नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने भी पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। प्राधिकरण ने दुर्घटना के कारणों की जानकारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

चैरिटीडोनेशन मामले में धोखाधड़ी को लेकर ब्रिटिश सिख भाई-बहन को जेल

एजेंसी

लंदन। सिख यूथ यूके समूह के जरिए चैरिटी दान (डोनेशन) केस में धोखाधड़ी के मामले में ब्रिटेन की एक अदालत ने ब्रिटिश सिख भाई-बहन (कलदीप सिंह और राजबिंदर कौर) को दोषी पाए जाने के बाद सजा सुनाई है। राजबिंदर कौर (55 वर्ष) को धन शोधन और 50 हजार ब्रिटिश पाउंड मूल्य की चोरी के छह मामलों तथा ब्रिटेन के चैरिटीज एक्ट 2011 की धारा 60 के तहत एक मामले में दोषी ठहराया गया, जो जानबूझकर या लापरवाही से चैरिटी आयोग को गलत या भ्रामक जानकारी प्रदान करने से संबंधित है।उसके भाई कलदीप सिंह लेहल (43 वर्ष) को भी चैरिटीज एक्ट के तहत इसी आरोप में दोषी ठहराया गया। दोनों भाई बहन मिलकर सिख यूथ यूके (एसवाईयूके) समूह चलाते थे। बर्मिंघम क्राउन कोर्ट ने राजबिंदर कौर को ने दो वर्ष और आठ महीने

के कारावास की सजा सुनाई है। जबकि कलदीप को 18 महीने और 80 घंटे की सामुदायिक सेवा की सजा सुनाई है। यह मामला अक्टूबर 2018 का है। वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस की अधीक्षक एनी मिलर ने सजा सुनाए जाने के बाद एक बयान में कहा कि एसवाईयूके स्पष्ट रूप से उनकी जीवनशैली को वित्तपोषित करने और कर्ज चुकाने का एक साधन था, लेकिन सरल शब्दों में कहें तो कौर बड़ी मात्रा में धन चुरा रही थीं, जिसे स्थानीय लोगों ने अच्छे कार्यों के लिए दान किया था। उन्होंने बताया कि दोनों भाई-बहन को शुरू में जुलाई 2019 में गिरफ्तार किया गया था और बाद में सितंबर 2019 में उन पर आरोप लगाए गए। बतादें कि बर्मिंघम क्राउन कोर्ट में सुनवाई के बाद सितंबर 2024 में दोनों को दोषी ठहराया गया था, जिसके दौरान यह सामने आया कि कौर और लेहल ने 2016 में क्षेत्र के स्वतंत्र नियामक चैरिटी कमीशन के समक्ष एक आवेदन किया था ताकि इसे पंजीकृत चैरिटी बनाया जा सके। लेकिन जब आयोग ने एसवाईयूके के बारे में और जानकारी मांगी तो जानकारी नहीं दी गई।

पेशावर हाई कोर्ट ने 100 अफगान संगीतकारों के निर्वासन पर लगाई रोक

एजेंसी

पेशावर। पेशावर हाई कोर्ट ने पाकिस्तान में राजनीतिक शरण चाहने वाले 100 से अधिक अफगान संगीतकारों के जबरन निर्वासन पर रोक लगा दी है। साथ ही कोर्ट ने संघीय सरकार को उनके मामलों पर दो महीने के अंदर फैसला करने का निर्देश भी दिया है।

पेशावर हाई कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने पूरी दलीलें सुनने के बाद मामले का निपटारा करते हुए सुरक्षा एजेंसियों को दो महीने के दौरान उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति वकार अहमद की अध्यक्षता वाली पीठ ने हशमतुल्ला द्वारा दायर याचिका की सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया। जिसने तर्क दिया कि वे अफगानिस्तान के थे, लेकिन तालिबान सरकार की स्थापना के बाद पाकिस्तान चले गए क्योंकि उनका जीवन खतरे में था।

याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि वे पहले ही अपनी आजीविका खो चुके हैं और पाकिस्तान में, उन्हें और अधिक उत्पीड़न और जबरन निर्वासन की धमकियों का सामना करना पड़ा, जो मानवाधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत पाकिस्तानी सरकार उन्हें जबरन निर्वासित नहीं कर सकती। याचिकाकर्ता को सुनने के बाद अदालत ने संघीय सरकार और उसके नामित अधिकारियों को अफगान संगीतकारों के शरण आवेदनों पर दो महीने के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि अफगान संगीतकार संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) के पास शरण के लिए आवेदन कर सकते हैं।आदेश में यह भी कहा गया कि यदि उनके मामले दो महीने के बाद भी अनिर्णीत रहते हैं, तो संघीय आंतरिक सचिव को उन्हें नीतिगत ढांचे के तहत अस्थायी रूप से पाकिस्तान में रहने की अनुमति देनी चाहिए।

पाकिस्तान के करक में सड़क दुर्घटना में 12 लोगों की मौत

एजेंसी

करक (पाकिस्तान)। पाकिस्तान में करक के अंबीरी चौक पर एक भयानक सड़क दुर्घटना में कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी है। करक के उपायुक्त शकील जान मारवत ने रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए कहा कि दुर्घटना ट्रेलर के ब्रेक फेल होने के कारण हुई। इस कारण ट्रेलर सिंधु राजमार्ग पर एक यात्री कोच और कई अन्य वाहनों से टकरा गया।

उन्होंने बताया कि आपातकालीन प्रतिक्रियाकर्ताओं ने घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया जहां उनका इलाज चल रहा है। जियो न्यूज की एक रिपोर्ट के अनुसार खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने घटना का संज्ञान लिया है और इसका विवरण मांगा है। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया और हिलाल-ए-अहमर टीमों को अंबीरी चौक पर राहत गतिविधियां चलाने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त उन्होंने पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) कार्यकर्ताओं से राहत गतिविधियों में सहायता करने और पीड़ितों की सहायता के लिए रक्त दान करने का आग्रह किया। पीपीपी सीनेटर शेरी रहमान ने जानमाल के नुकसान पर दुख व्यक्त किया और स्थानीय सरकार के साथ-साथ जिला प्रशासन से पीड़ितों के लिए सर्वोत्तम संभव राहत सुविधाओं का प्रावधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बाईडेन प्रशासन के तहत सीरिया में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति में कोई बदलाव नहीं - पेंटागन

एजेंसी

वाशिंगटन। सीरिया के सशस्त्र विपक्ष के सत्ता में आने के बाद मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाईडेन के प्रशासन की सीरिया में अमेरिकी सैन्य उपस्थिति का विस्तार करने की कोई योजना नहीं है। पेंटागन की उप प्रेस सचिव सबरीना सिंह ने यह जानकारी दी।

सबरीना सिंह ने संवाददाताओं से कहा सीरिया में हमारी उपस्थिति देश के पूर्वी हिस्से में बनी हुई है। हम एसडीएफ [सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्सेस] के साथ साझेदारी करते हैंज अमेरिकी उपस्थिति और बल की स्थिति के संदर्भ में कोई बदलाव नहीं है। आने वाला प्रशासन किसी भी निर्णय के लिए बोल सकता है जो वे करेंगे लेकिन इस प्रशासन के संदर्भ में,

सीरिया या इराक में बल की स्थिति में कोई बदलाव नहीं होगा।' सुश्री सिंह ने कहा कि और उनका मुख्य उद्देश्य इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह (रूस में प्रतिबंधित आईएस) के पुनरुत्थान को रोकना है। उन्होंने कहा कि सीरिया में कुर्द-बहुल कोबानी क्षेत्र में सैन्य अड्डा या कोई अन्य स्थायी सुविधा स्थापित करने की कोई योजना नहीं है। उल्लेखनीय है कि सीरिया के सशस्त्र विपक्ष ने आठ दिसंबर को दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। सीरियाई राष्ट्रपति बशर असद ने सीरियाई संघर्ष में भाग लेने वालों के साथ बातचीत के बाद पद छोड़ दिया और सीरिया छोड़कर रूस चले गए, जहाँ उन्हें शरण दी गई। बाद में, हयात तहरीर अल-शाम और अन्य विपक्षी समूहों की ओर से गठित इदलिब-आधारित प्रशासन चलाने वाले मोहम्मद अल-बशीर को 10 दिसंबर को अंतरिम प्रधानमंत्री नामित किया गया था। उन्होंने घोषणा की कि एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है और मार्च 2025 तक बनी रहेगी।

नेपाल के प्रधानमंत्री ने एक ही दिन में चार अध्यादेश लाने का फैसला किया

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा 'ओली' ने कैबिनेट की बैठक में एक साथ चार अध्यादेश लाने का फैसला किया है। 10 बजे से शुरू हुई कैबिनेट बैठक 12 बजे समाप्त हुई। इस दौरान चार अध्यादेश जारी करने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश करने का फैसला किया गया है।

केंद्रीय कानून मंत्री अजय चौरसिया ने पत्रकारों को बताया कि सरकारी कामकाज की गति को चुस्त दुरुस्त करने के लिए सरकार ने एक अध्यादेश लाने का फैसला किया है। इस नए अध्यादेश में किसी भी सरकारी कर्मचारी के पास कोई भी फाइल अटकाए रखने पर कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। नए अध्यादेश के जारी होने के साथ ही अब कोई भी सरकारी कर्मचारी अपने पास आए किसी भी परियोजना

की फाइल को सात दिनों से अधिक नहीं रोक सकेगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह दूसरा अध्यादेश गैर आवासीय नेपाली नागरिकों के लिए लाया गया है। इस अध्यादेश में गैर आवासीय नेपाली नागरिकों के लिए 10 साल तक फ्री वीजा देने का प्रावधान रखा गया है। गैर आवासीय नेपाली नागरिकों की सहूलियत के लिए यह अध्यादेश लाया गया है। ऐसे ही सरकार ने नेपाल के आईटी क्षेत्र की कंपनियों को विदेश में अपनी शाखा विस्तार करने, विदेशों में

केंद्रीय कानून मंत्री अजय चौरसिया ने पत्रकारों को बताया कि सरकारी कामकाज की गति को चुस्त दुरुस्त करने के लिए सरकार ने एक अध्यादेश लाने का फैसला किया है।

दफ्तर खोलने, वहां की कंपनियों में निवेश करने और मुनाफा को नेपाल लाने के लिए भी अध्यादेश लाया गया है। कानून मंत्री ने बताया कि जिस तरह से नेपाल में आईटी क्षेत्र का विस्तार हो रहा है उसको वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए सरकार ने यह अध्यादेश लाया है।

अयोध्या में रामलला प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ पर जनकपुरधाम में सवा लाख दीप प्रज्ज्वलित

एजेंसी

काठमांडू। अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ पर नेपाल के कई शहरों में आज दीपोत्सव का आयोजन किया गया। सबसे भव्य दीपोत्सव जानकी मंदिर जनकपुरधाम में दिखा जहां नगरवासियों ने सवा लाख दीप जलाकर वर्षगांठ मनाई।

जनकपुरधाम के जानकी मंदिर प्रांगण में आज भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया। जानकी मंदिर ट्रस्ट की तरफ से किए गए इस आयोजन में जनकपुर उपमहानगरपालिका तथा प्रदेश सरकार के सहयोग से दीपोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश सिंह अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों के साथ मौजूद रहे। इसी तरह जनकपुरधाम के मेयर मनोज साह की भी मौजूदगी रही। जनकपुर के अलावा काठमांडू के श्रीराम मंदिर, बीरगंज

के गहवामाई मंदिर, कलैया के भरत चौक, चितवन के नारायणी नदी किनार आदि स्थानों में भी दीपोत्सव का आयोजन किए जाने की खबर है। बीरगंज के गहवामाई मंदिर में 11 हजार दीप जलाए जाने की जानकारी वाहन के मेयर राजेशमान सिंह ने दी है। जानकी मंदिर के महंथ रामरोशन दास ने बताया कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर यह आयोजन किया गया है जिसमें हजारों की संख्या में सुबह से ही नगरवासी मौजूद रहे।

अंगोला में पिछले 24 घंटे में हैजा के 24 नये मामले

एजेंसी

लुआंडा। मध्य अफ्रीकी देश अंगोला में पिछले 24 घंटे के दौरान हैजा के 24 नए मामले सामने आये हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्रालय (एमआईएनएसए) ने को हैजा प्रकोप की घोषणा की और बताया कि स्थानीय समयानुसार शाम छह बजे तक कुल 119 हैजा के

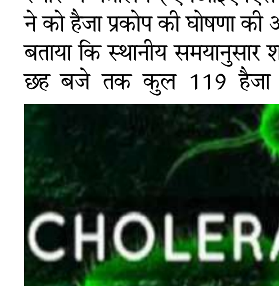

मामले दर्ज किये गये हैं। इनमें से 14 मामलों की पुष्टि प्रयोगशाला परीक्षण के माध्यम से हुई है, जबकि 12 नमूनों का विश्लेषण किया जाना बाकी है। मंत्रालय के अनुसार, पिछले 24 घंटों में हैजा के 24 नए मामलों में से 20 कैकुआको नगर पालिका में केंद्रित थे, जो प्रकोप का केंद्र है। कैकुआको, अंगोला की राजधानी लुआंडा प्रांत का एक उपनगरीय क्षेत्र है, जहां 12 लाख से अधिक लोग रहते हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को पहले मामले की पुष्टि होने के बाद से अब तक 12 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इनमें से 11 मौतें कैकुआको में हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, 119 मामलों में से 53 प्रतिशत महिलाएं और 47 प्रतिशत पुरुष हैं।

गाजा में इजरायली हमलों में बीस फिलिस्तीनी मारे गए

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी के विभिन्न इलाकों में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 20 फिलिस्तीनी मारे गए और कई लोग घायल हो गए। नागरिक सुरक्षा प्रवक्ता महमूद बसल ने बताया कि उत्तरी गाजा पट्टी के जबालिया में विस्थापित लोगों के आवास वाले एक स्कूल पर इजरायली बमबारी में दो बच्चों और दो महिलाओं सहित आठ फिलिस्तीनियों की मौत हो गई और 19 बच्चों सहित 30 से अधिक लोग घायल हो गए।

श्री बसल के अनुसार एक अन्य हमले में गाजा शहर के पूर्व में शुजैया पड़ोस में एक घर को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में दो फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। गाजा शहर के पश्चिम में अल-रिमल पड़ोस में एक आवासीय इमारत के एक अपार्टमेंट को निशाना बनाकर किए गए बम विस्फोट में एक महिला और एक

बच्चे सहित तीन अन्य लोग मारे गए और 10 घायल हो गए।उन्होंने कहा कि गाजा शहर के पूर्व में अल-नफाक स्ट्रीट में नागरिकों की एक सभा पर हवाई हमले में चार लोग मारे गए। उन्होंने बताया कि इजरायली युद्धक विमानों ने मध्य गाजा पट्टी के दीर अल-बलाह शहर में एक तंबू पर बमबारी की जिसमें तीन लोग मारे गए। इस बीच इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने एक प्रेस बयान में कहा कि वायु सेना के विमानों ने हमास के आतंकवादियों पर हमला किया जो जबालिया में पहले एक स्कूल के रूप में इस्तेमाल किए जाने वाले क्षेत्र में एक कमांड और नियंत्रण परिसर के अंदर काम करते थे। उन्होंने कहा कि हमास के सदस्यों ने इज़रायल के खिलाफ हमले की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए इस परिसर का इस्तेमाल किया। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायली सीमा के माध्यम से हमास के हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने के लिए इजरायल गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला कर रहा है। हमलों के दौरान लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 को बंधक बना लिया गया। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने आज एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में चल रहे इजरायली हमलों से फिलीस्तीनी मरने वालों की संख्या बढ़कर 46,537 हो गई है।

सस्टेनेबल एग्रीकल्चर की संकल्पना है गौ कृषि

– रवि शंकर

दुनिया को खेती करना राजा पृथु ने सिखाया। महाभारत के अनुसार वह मानव इतिहास के चौथे राजा थे। पहले मनुष्य दूध, कन्दमूल खा-पीकर जीवन यापन करता था या फिर अपने-आप उग आए अनाज खाता था। किन्तु पृथु द्वारा खेती करने का तरीका विकसित करने के बाद से भारत में खेती होती आ रही है। राजा पृथु का काल पुराणों के अनुसार लाखों वर्षों पहले का है। आधुनिक इतिहासकार अपने पूर्वाग्रहों के कारण पृथु को इतिहास का हिस्सा नहीं मानते पर वे भी मानते हैं कि भारत में खेती हजारों वर्ष पहले से होती आ रही है। स्वाभाविक है कि इतने लंबे समय से खेती करने के कारण इसका एक विज्ञान भी देश में विकसित हुआ। देश में जब अंग्रेज आए तो उन्होंने उस विज्ञान का अध्ययन भी किया। यह एक इतिहास ही है कि भारत में लिखी कृषि गीता पुस्तक के पूरे यूरोप में कई-कई भाषाओं में अनुवाद किए गए। यूरोपीय लोगों को भी भारत ने ही खेती करना सिखाया था।

सवाल है कि भारत का वह परंपरागत ज्ञान क्या था? आखिर भारत की कृषि परंपरा में विज्ञान के कौन से सिद्धांत अंतर्निहित थे? क्या आज भारतीय कृषि की उस वैज्ञानिक परंपरा का कोई उपयोग हो सकता है? आज भारतीय किसानों को क्या उस कृषि विज्ञान से कोई लाभ पहुंचाया जा सकता है?

यह दुर्भाग्यजनक ही कहा जाएगा कि जिस देश में कृषि जीवन पद्धति का हिस्सा हो, संस्कृति की मूल प्रेरणा हो और लाखों वर्षों से राज्य की आय का मुख्य स्रोत रही हो, उस देश में किसानों को आत्महत्या करनी पड़ रही है। वह भी तब जब हम विज्ञान के तथाकथित सर्वोच्च शिखर पर बैठे हैं। उस विज्ञान के जो बीजों को जेनेटिक रूप से परिवर्तित करके उन्हें अधिक फसल देने वाला बना देता है, जो कम समय में फसल तैयार कर देता है, जो ऐसे-ऐसे खाद और कीटनाशक तैयार कर चुका है जिससे फसल कई-कई गुणा हो जाती है। इस विज्ञान के कारण किसान को शारीरिक श्रम से मुक्ति मिल चुकी है। अब उसे बैलों के पीछे चलना नहीं पड़ता, केवल ट्रैक्टर की सीट पर बैठना होता है। इस विज्ञान ने उसे एक वैश्विक बाजार उपलब्ध करा दिया है। कम्प्यूटर के एक क्लिक पर पूरी दुनिया का बाजार उसके समक्ष खुला होता है। फिर वह आत्महत्या क्यों कर रहा है? गरीबी और भुखमरी में क्यों जी रहा है?

समझने की बात यह है कि आधुनिक कृषि विज्ञान फसल तो अवश्य बढ़ा देता है परंतु इस बढ़ी हुई फसल का फायदा किसानों को नहीं, बाजार को होता है। किसान को तो उलटे नुकसान ही उठाना पड़ता है। यह विज्ञान किसान को बाजार पर निर्भर बना देता है जो अंततः उसका खून चूस लेता है।'

वास्तव में भारतीय कृषि पद्धति के विज्ञान का पहला सिद्धांत है कि किसान 'दाता' होता है। वह देता है, लेता नहीं है। इसलिए वह आत्मनिर्भर होता है। उसके पास अपना बीज होता है, अपने बैल होते हैं, अपनी खाद होती है और अपने कीट नियंत्राक होते हैं। इस प्रकार खेती करने के लिए उसे जमीन के अलावा और किसी भी बाहरी चीज की आवश्यकता नहीं होती। यदि उसके पास जमीन है तो वह आराम से खेती कर सकता है। उसे खेती करने के लिए कुछ भी खरीदने की आवश्यकता नहीं पड़ती। इसके पीछे एक गहरा वैज्ञानिक चक्र छिपा है।

इस चक्र में भूमि, पशु और मनुष्य तीनों एक दूसरे के पूरक के रूप में कार्य करते थे और इन तीनों से यह कृषि चक्र पूरा होता था। इस चक्र में मनुष्य पशु का पालन करता था। पशु भूमि का पालन करते थे और वह भूमि मनुष्य का पालन करती थी। यह कैसे होता था है या हो सकता है, इसे आधुनिक विज्ञान की भाषा में समझने का प्रयास करते हैं।

पशु यानि कि भारत में गोवंश। गोवंश यानि गाय और बैल। गाय और बैल किसान की मुख्य पुंजी हुआ करते थे। इनके गोबर और गोमूत्र से वह खाद और कीटनियंत्राक बनाया करता था। गोबर की खाद कई प्रकार से भूमि के लिए लाभदायक होती है। यह खाद यूरिया की तरह मिट्टी को फास्टफूड उपलब्ध नहीं करवाती, बल्कि यह मिट्टी को उपजाऊ बनाती है जिससे मिट्टी में केवल नाइट्रोजन ही नहीं, वरन् मैग्नीशियम, फास्फोरस, बोरोन, मैंगनीज जैसे भांति-भांति के अन्य ढेरों माइक्रोन्यूट्रिएंट पैदा होते हैं। यह संभव होता है गोबर खाद द्वारा पैदा किए गए सूक्ष्मजीवों के कारण। ये सूक्ष्मजीव ही मिट्टी का पोषण करते हैं और वातावरण में उपलब्ध माइक्रोन्यूट्रिएंट को मिट्टी में स्थापित करते हैं।

गोबर खाद मिट्टी की पानी ग्रहण करने की क्षमता को भी बढ़ाती है। इसके कारण खेतों में नमी बनी रहती है। इसके ठीक उलट यूरिया व डीएपी जैसे रासायनिक खाद मिट्टी की नमी की नष्ट कर देते हैं जिसके कारण खेतों में अधिक पानी की आवश्यकता पड़ने लगती है। सामान्यतः यह पाया गया है कि रासायनिक खाद डालने के बाद खेतों में तीन या चार गुणा अधिक पानी दिए जाने की आवश्यकता पड़ती है। गोबर की खाद से जो सूक्ष्मजीव मिट्टी में पैदा होते हैं, वे लंबे समय तक मिट्टी की उर्वरता को बनाए रखते हैं। परिणामस्वरूप गोबर की खाद डालने की आवश्यकता घटती जाती है।

सामान्यतः पाया गया है कि एक बार गोबर की खाद डालने पर अगले वर्ष उसकी आधी मात्रा डालनी होती है और उसके बाद 1-2 वर्ष खाद नहीं डालने से भी कोई फर्क नहीं पड़ता। दूसरी ओर रासायनिक खादों के प्रयोग से मिट्टी में उपस्थित सूक्ष्मजीव मर जाते हैं। इससे जमीन बंजर होती जाती है और रासायनिक खाद के प्रयोग की मात्रा हर वर्ष बढ़ती ही जाती है।

गोमूत्र और नीम आदि से बने कीटनियंत्राक फसल में लगने वाले कीटों का तो नियंत्रण करते हैं परंतु वे मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक नहीं होते। उलटे उससे फसल की गुणवत्ता और बढ़ ही जाती है। परंतु रासायनिक कीटनियंत्राक मानव स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक होते हैं। इनसे कैंसर जैसी लाइलाज बीमारियां फैलती हैं। वर्तमान में मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण भी यही प्रदूषित अन्न, फल व सब्जियों का सेवन है।

भारतीय कृषि के विज्ञान का दूसरा सिद्धांत रहा है मिश्रित खेती। भारतीय पद्धति की खेती में कभी भी खेतों में एक फसल नहीं ली जाती, हमेशा दो फसलें बोई जाती रही हैं। जैसे अरहर के साथ सरसों, गन्ने के साथ आलू या मसूर, गेंहू के साथ चना आदि। इससे दो फायदे होते हैं। पहला फायदा तो यह है कि एक फसल मिट्टी से कुछ पोषक पदार्थ लेती है तो कुछ छोड़ती भी है। इससे दोनों फसलें मिल कर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखती हैं। दूसरा फायदा यह है कि मौसम की मार से यदि एक फसल खराब हो गई तो भी दूसरी फसल से किसान की लागत निकल आती है और वह बर्बाद होने से बच जाता है।

डा. गुणाकर बताते हैं कि पिछले वर्ष 2022 फरवरी-मार्च के महीने में जो अनपेक्षित बारिश हुई और ओले गिरे, उससे रासायनिक खेती करने वालों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई, परंतु भारतीय पद्धति से खेती करने वाले किसानों की फसलें बची रहीं। ऐसा अलीगढ़, मथुरा, फर्रुखाबाद, मुरादाबाद आदि कई इलाकों में देखा गया। आश्चर्य की बात है कि ऐसा अगल-बगल के खेत में भी हुआ। यह अंतर भारतीय पद्धति का है।

इसलिए भारत में कृषि को गोपालन से जोड़ कर देखा गया।

आज दुनिया में इस पर शोध किया जा रहा है। जिम्बावे के एलन सेवरी ने यह शोध किया है कि गायों के स्वतंत्र रूप से चरने से बंजर भूमि भी हरी-भरी हो जाती है। इसलिए उन्होंने बंजर धरती को उपजाऊ बनाने का उपाय निकाला है कि वहां गायों के झुंड को छोड़ दिया जाए। उन्होंने अपने शोध में पाया है कि गायें बंजर भूमि पर जो गोबर करती हैं, उससे उस भूमि की पानी रोकने की क्षमता बढ़ जाती है। धीरे-धीरे वह भूमि नम होने लगती है और फिर वहां घास पैदा होने लगती है। उस घास को भूमि में ही मिला देने से वहां की मिट्टी उपजाऊ हो जाती है। इस प्रक्रिया को मल्चिंग कहा जाता है। साथ ही वहां की भूमि में सूक्ष्मजीवों की संख्या काफी बढ़ जाती है। इन दो कारणों से वह भूमि खेती योग्य हो जाती है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि भारत में कृषि को गोपालन से जोड़ा जाना एक वैज्ञानिक गतिविधि थी। गाय-बैल के स्थान पर ट्रैक्टर तथा रासायनिक खादों का प्रयोग तो तर्क सम्मत भी नहीं है। जिससे तत्काल तो लाभ मिलता दिखता है परंतु इससे 50-100 वर्षों में जमीन बंजर होने लगती है। यह पंजाब में हरित क्रांति के मात्र 30-40 वर्ष के बाद ऐसा होता देखा जा सकता है। वहां के जमीन की उत्पादकता घटती जा रही है।

नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेस, नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुत एक शोध पत्र में यह पाया गया कि रासायनिक खादों के प्रभाव में लगातार कमी आ रही है। अर्थात् अधिक खाद डालने पर भी उस अनुपात में उपज नहीं हो रही।

हैरत की बात यह है कि इस बात की ओर ध्यान दिलाने वाले और कोई नहीं एकेडमी के अध्यक्ष और भारत में हरित क्रांति के जनक एम. एस, स्वामीनाथन ही थे।

यह जानना भी रोचक है कि कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने कहा कि भारत को अब हरित क्रांति की नहीं, बल्कि स्थायी हरित क्रांति (एवरग्रीन रिवोल्यूशन) की आवश्यकता है। यह स्थायी वाला तत्व बिना गोपालन के आना संभव नहीं है।

यहां पर यह ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि भारत अपनी विशेष जलवायु के कारण यूरोपीय देशों से भिन्न है। यहां खेतों में तीन और कई बार तो चार-चार फसल लिया जाना सामान्य बात है जबकि यूरोप में एक से अधिक फसल लेना कठिन होता है। वहां एक फसल के बाद जमीन बर्फ में दबी रहती है। इसलिए वहां रासायनिक खादों के नुकसान का पता नहीं चलता। साथ ही यदि वार्षिक उपज देखी जाए तो एक फसल का औसत उत्पादन कम होने पर भी भारतीय खेतों का औसत वार्षिक उत्पादन यूरोपीय खेतों से अधिक हो जाएगा।

इसलिए भारतीय कृषि पद्धति एक फसल में अधिक उत्पादन लेने, जिससे मिट्टी की

उत्पादकता नष्ट हो जाती है, की बजाय मिट्टी की उत्पादकता बरकरार रखते हुए उससे चार-चार फसल लेने पर विश्वास करती थी। इससे एक लाभ और भी था। मनुष्यों को भोजन में विविधता भी मिलती थी। यहां के लोग केवल चावल और गेंहू नहीं खाते थे, बल्कि मक्का, ज्वार, रागी, जैसे मोटे अनाज और सब्जियां आदि का प्रयोग बहुतायत में करते थे। ये मोटे अनाज कम पानी में उपजते हैं और मानव शरीर के लिए काफी पुष्टिकारक होते हैं। सब्जियां भी मनुष्य के लिए लाभकारी हैं।

समझा जा सकता है भारतीय कृषि पद्धति खेतों से येन-केन-प्रकारेण अधिक उपज लेने पर विश्वास नहीं करती थी, बल्कि उसके अनुसार खेतों की उर्वरता बनाए रखते हुए मानव के लिए हितकारी भोज्य पदार्थों की खेती करने को प्रोत्साहित करती थी।

इस पद्धति में पशुओं का भी सहजता से पालन हो जाता था। फसल के अवशेष जिसे हम भूसा और खली कहते हैं, पशुओं को खिलाने के काम आता था। इस प्रकार भारतीय कृषि पद्धति प्रकृति से लेन-देन का हिसाब बिल्कुल बराबर रखा करती थी। यही इसका विज्ञान था।

फसल-उत्पादन : पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वपूर्ण

फसल-उत्पाषदन के लक्ष्य हासिल करने में पौध-संरक्षण की भूमिका महत्वकपूर्ण रही है। पौध संरक्षण के महत्वापूर्ण घटकों में समन्वित कीट प्रबंधन, को प्रोत्साकहन, फसल पैदावार को कीटों और बीमारियों के दुष्प्र भाव से बचाने के लिए सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त कीटनाशकों की उपलब्धाता सुनिश्चित करना, ज्या दा पैदावार देने वाली नई फसल प्रजातियों को तेजी से अपनाए जाने के लिए संगरोधन (क्वाचरन्टीन) उपायों को सुचारू बनाना शामिल है। इसके अंतर्गत बाहरी कीटों के प्रवेश की गुंजाइश समाप्ति करना और पौध-संरक्षण कौशल में महिलाओं को अधिकारिता प्रदान करने सहित मानव संसाधन विकास पर भी ध्याान दिया जाता है।

भारत में कीट प्रबंधन दृष्टिकोण को मजबूत बनाने और आधुनिकीकरण के अवयव

समन्वित कीट प्रबंधन (आईपीएम) का संवर्धन

टिड्डा नियंत्रण और अनुसंधान

पौध संरक्षण में प्रशिक्षण

कीटनाशक अधिनियम का कार्यान्वयन

एकीकृत कीट प्रबंधन का संवर्धन

रासायनिक कीटनाशकों के बुरे प्रभावों कीट प्रतिरोध के विकास, कीट पुनरूत्थाहन, भोजन, चारा, हवा और पानी में मानव स्वास्थ्य के लिए खतरनाक कीटों को घटाने और पर्यावरण असंतुलन को देखते हुए भारत सरकार ने एकीकृत कीट प्रबंधन (आईपीएम) को अपनाया है। आईपीएम पारिस्थितिकी के अनुकूल है और इसका लक्ष्य कीट नियंत्रण के लिए उपलब्ध वैकल्पिक तरीके सांस्कृतिक, यांत्रिक और जैव तथा जैव कीटनाशकों का इस्तेमाल कर रासायनिक कीटनाशकों का न्यूनतम उपयोग करना है। जैव नियंत्रण एजेंटों/जैव कीटनाशकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत सरकार ने अनुदान निर्धारित किया। आईपीएल दृष्टिकोण अपनाने के बाद कीटनाशकों का उपयोग नीचे आया है। पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित जैव कीटनाशकों के उपयोग में लगातार वृद्धि हो रही है। कुछ राज्यों में किसानों ने रासायनिक कीटनाशकों का इस्तेमाल बंद कर दिया है और जैविक खेती को अपनाया है।

टिड्डी नियंत्रण एवं अनुसंधान

टिड्डी चेतावनी संगठन जोधपुर टिड्डी निगरानी और नियंत्रण के लिए अपने टिड्डी वृत्त कार्यालयों और फील्ड स्टेशन के साथ राजस्थान, गुजरात, और हरियाणा के दो लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर नजर रखता है। अन्य टिड्डी प्रभावित देशों और एफएओ के साथ टिड्डी के संभावित आक्रमण पर नजर रखी जाती है।

1966 तक राज्यों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारत में राष्ट्रीय प्रशिक्षण की कोई सुविधा नहीं थी। इस अंतर को पाटने के लिए हैदराबाद (आंध्रप्रदेश) में 1966 में राष्ट्रीय पादप संरक्षण प्रशिक्षण संस्थान स्थापित किया गया। इस संस्थान को संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन द्वारा पौध संरक्षण के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान और विश्व बैंक द्वारा पादप संरक्षण प्रौद्योगिकी में उन्नत प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता दी गई है। संस्थान में पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं और विदेशी प्रशिक्षुओं सहित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

कीटनाशकों अधिनियम के कार्यान्वयन

खाद्य उत्पादन बनाए रखने के लिए फसल सुरक्षा उपायों में कीटनाशकों का उपयोग किया जाता है। ये वेक्टर जनित रोगों के नियंत्रण में भी प्रयोग में लाए जाते हैं। ये जहरीले होते हैं इसलिए इनका उपयोग संक्रामक कीटों को मारने में इनका उपयोग होता है। इनका दुरुपयोग मनुष्य, पशु, और पर्यावरण के लिए खतरनाक हो सकता है। इसलिए इनके सुरक्षित और विवेकपूर्ण इस्तेमाल की आवश्यकता है। इसे ध्यान में रखते हुए उनके आयात, निर्माण, बिक्री और उपयोग आदि को कीटनाशक अधिनियम, 1968 के तहत विनियमित किया जा रहा है। इस अधिनियम के प्रावधान किसानों को सुरक्षित, प्रभावी और गुणवत्तापूर्ण कीटनाशकों की उपलब्धता सुनिश्चित करते हैं।

केंद्र सरकार ने इस अधिनियम के तहत प्रशासन से उत्पन्न मामलों पर केंद्र और राज्य सरकारों को सलाह के लिए कीटनाशक अधिनियम, 1968 की धारा 4 के अंतर्गत केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड का गठन किया है। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक बोर्ड के अध्यक्ष होते हैं। केंद्र सरकार ने मनुष्यों, पशुओं और पर्यावरण की सुरक्षा दृष्टि से फॉर्मूले की जांच और उनके प्रभाव के बाद कीटनाशकों के पंजीकरण के लिए पंजीकरण समिति का गठन किया है।

भारत सरकार ने केंद्रीय कीटनाशक प्रयोगशाला की स्थापना की है। इसका मुख्य उद्देश्य निर्माता द्वारा प्रस्तावित दावे और कीटनाशकों के गुण, प्रदर्शन और खतरों के पंजीकरण का सत्यापन है। राज्यों में कीटनाशकों के विश्लेषण के लिए क्षेत्रीय कीटनाशक परीक्षण प्रयोगशालों की स्थापना की गई है।

देश में विनाशकारी कीड़े और कीट अधिनियम, 1914 (1914 का अनिनियम 2) के माध्यम से पौध संगरोध उपायों को लागू कर रहे हैं। इस अधिनियम का उद्देश्य, वे कीड़े, कवक या अन्य कीट जो फसलों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं, को रोकना है। बीज विकास, 1988 पर नई नीति के प्रावधानों के माध्यम से डीआईपी अधिनियम, 1914 के तहत जारी पौध संगरोध (भारत में आयात विनियमन) आदेश, 2003 के अंतर्गत कृषि वस्तुओं का आयात नियंत्रित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, वैश्वीकरण और भूमंडलीकरण को ध्यान में रखते हुए पौधों के अंतरराष्ट्रीय व्यापार और डब्ल्यूटीओ के तहत हुए एसपीएस के मद्देनजर पौध संगरोध का महत्व बढ़ गया है। अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन, 1951 के अनुसार योजना के माध्यम से कृषि वस्तुओं का निर्यात किया जा रहा है।

योजना का मुख्य उद्देश्य हैं

विदेशी कीटों फसलों के लिए विनाशकारी होते हैं, विदेशी पौधे और पौध उत्पादन को सीमित या रोक लगाकर विदेशी कीटों का विस्तार और प्रसार रोकना तथा सक्षम तकनीकी और प्रमाणपत्र सिस्टम के जरिए उत्पादकों और निर्यातकों की मदद से व्यापारिक भागीदारों की आवश्यकताओं को पूरा करना और कृषि में सुरक्षित विश्व व्यापार की सुविधा प्रदान करना

इस योजना के तहत प्रमुख गतिविधियों में शामिल हैं

भारतीय वनों को प्रतिकूल रोगों और विदेशी कीट से रोकने के लिए आयातित कृषि वस्तुओं का निरीक्षण अंतरराष्ट्रीय पौध संरक्षण सम्मेलन (आईपीपीसी) के तहत आयातक देश की आवश्यकताओं के अनुसार निर्यात के लिए वस्तुओं का निरीक्षण घरेलू संगरोध नियमों के तहत विदेशी कीट और रोगों पर नियंत्रण पोस्ट प्रवेश संगरोध निरीक्षण के तहत रोपण सामग्री के पहचान के संबंध में निरीक्षण पादप और पादप सामग्री के आयात आवश्यकताओं के लिए कीट जोखिम विश्लेषण (पीआरए) का आयोजन विभिन्न हवाई अड्डों, बंदरगाहों और अन्य सीमाओं पर पौध संगरोध नियमों को लागू करने के लिए पौध संगरोध स्टेशन बनाए गए हैं।